सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 354 www.shreekanchanpath.com संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत-स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
भिलाई, शुक्रवार 6 अक्टूबर 2023 पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

दूसरी सूची पर नहीं थम रहा बवाल दो दर्जन सीटों पर होगा पुनर्विचार

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। भाजपा में टिकट को लेकर मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में पार्टी की जो दूसरी कथित अथेंटिक सूची जारी हुई थी, उसे लेकर शीर्ष संगठन ने प्रदेश के नेताओं को आड़े हाथों लिया है। इधर, खबर आ रही है कि लीक हुई दूसरी सूची में शामिल ज्यादातर दावेदार दिल्ली में डेरा डाले हैं। वहीं प्रदेश और राष्ट्रीय संगठन से जुड़े कई अन्य लोगों ने भी शीर्षस्थ नेताओं से मुलाकात कर दूसरी सूची के नामों पर आपत्ति जाहिर की है। इनमें एक प्रमुख नाम राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय का है। बताया जाता है कि सुश्री पाण्डेय दूसरी सूची लीक होने के बाद से ही दिल्ली में है। उनके किसी भी समर्थक को टिकट नहीं दिया गया है। जबकि वे स्वयं भी टिकट की दावेदार हैं।

भाजपा के बेहद पुख्ता सूत्रों के मुताबिक, जो दूसरी सूची हाल ही में लीक हुई है, इसी सूची पर सीईसी ने मुहर लगा दी थी। लेकिन दिल्ली से रायपुर लौटने के दौरान ही प्रादेशिक नेताओं से हुई चूक के चलते यह सूची मीडिया में जारी हो गई और बवाल मच गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अब तक प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के अलावा किसी भी सीनियर नेता ने इस सूची का खंडन नहीं किया। बताते हैं कि जिस दिन से यह सूची जाहिर हुई, उसके बाद से प्रदेश प्रभारी ओम माथुर बेहद नाराज हैं और अब छत्तीसगढ़ से दूरियां बनाकर चल रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के नेताओं का फोन उठाना भी बंद कर दिया है। गुरूवार रात शीर्ष नेताओं के साथ प्रदेश के कुछ चुनिंदा नेताओं की बैठक हुई है। इस बैठक में सूची लीक होने को बेहद गम्भीर बताते हुए मामले की जांच को कहा गया है। इसी बैठक में यह भी तय किया गया है कि करीब दो दर्जन सीटों पर फिर से सर्वे कराया जाएगा। जिन सीटों पर प्रत्याशियों का विरोध हो रहा है, उनमें सामरी, सीतापुर, लैलूंगा, सारंगढ़, कटघोरा, जैजेपुर, पामगढ़, महासमुंद, बिलाईगढ़, दुर्ग शहर, धरसीवां, रायपुर उत्तर, रायपुर ग्रामीण, आरंग, बिंद्रानवगढ़, नवागढ़, गुंडरदेही, संजारी बालौद, पंडरिया, कोटा और तखतपुर की सीटों में प्रत्याशियों का विरोध हो रहा है।

सरोज दिल्ली में, शीर्ष नेताओं से की चर्चा

इधर, खबर है कि राज्यसभा सांसद व पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय ने दिल्ली में शीर्षस्थ नेताओं से छत्तीसगढ़ के राजनीतिक हालातों पर चर्चा की है। दुर्ग जिला सुश्री पाण्डेय की कर्मभूमि है, लेकिन जो सूची जारी की गई है, उसमें उनके किसी भी समर्थक को टिकट नहीं दी गई है। जबकि बताते हैं कि सरोज पाण्डेय ने जिले की आधी सीटें अपने समर्थकों के लिए मांगी थी। सरोज दुर्ग शहर की दो बार महापौर रही हैं, वहीं वैशाली नगर क्षेत्र से वे विधायक भी रह चुकीं हैं। वे दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से सांसद भी निर्वाचित हुईं थीं। इस आधार पर पूरे क्षेत्र में उनका खासा जनाधार है। इधर, गुरूवार को चुनाव प्रभारी ओम माथुर द्वारा बुलाई गई बैठक से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की गैरमौजूदगी भी चर्चा में है। उन्हें इस बैठक में बुलाया ही नहीं गया था।

सूची कैसे लीक हुई, नहीं बता पाए

गुरूवार को प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव और संगठन महामंत्री पवन साय की चुनाव प्रभारी ओम माथुर ने जमकर क्लास ली। उन्होंने दोनों से पूछा कि आखिर सूची लीक कैसे हो गई? दोनों नेताओं के पास इसका कोई जवाब नहीं था। यह बैठक माथुर के निवास पर ही रखी गई थी। जब उत्तर नहीं मिला तो माथुर ने साफ कहा कि शीर्ष नेताओं की बैठक के नतीजे बाहर लीक होना बेहद गंभीर मसला है। इसलिए जरूरी है कि इसकी जांच हो। दरअसल, यह पूरा खेल प्रदेश के एक बड़े भाजपा नेता का खेला हुआ बताया जा रहा है। इस नेता को इस बार बैठक के लिए नहीं बुलाया गया। जबकि इससे पहले चुनाव संबंधी प्रत्येक बैठक में वे मौजूद रहे थे। इधर, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने फिर कहा है कि जो सूची लीक हुई है, वह पार्टी की अधिकृत सूची नहीं थी। लेकिन यहां सवाल उठ रहा है कि यदि यह सूची अधिकृत नहीं थी तो पार्टी के शीर्ष नेताओं में हड़कम्प की स्थिति क्यों है? वे इस मामले की जांच की बात क्यों कह रहे हैं?

कौन विरोधी, क्यों विरोध

कल की बैठक के बाद यह तय किया गया है कि जिन प्रत्याशियों का विरोध हो रहा है, उसकी वास्तविक स्थिति का पता किया जाए। इसके अलावा विरोध कौन लोग कर रहे हैं और क्यों कर रहे हैं, इसकी भी पड़ताल हो। जिसे प्रत्याशी बनाया गया है, क्षेत्र में उसकी कितनी पकड़ है और नतीजों को कितना प्रभावित कर सकते हैं, इसकी भी पतासाजी की जाएगी। इधर, पता चला हैं कि प्रदेश में प्रत्याशियों के व्यापक विरोध के बाद करीब दो दर्जन नामों पर पुनर्विचार करने का निर्णय हुआ है। इनमें से ज्यादातर प्रत्याशियों को बदले जाने की बातें भी कही जा रही है। हाल ही में सिंधी व गुजराती समाज ने टिकट वितरण पर नाराजगी जताई थी। इसके अलावा साहू समाज ने भी टिकट वितरण में उपेक्षा का लगाया था और चुनाव में समर्थन नहीं करने की धमकी तक दे डाली थी। इसके अलावा प्रत्याशियों के नाम सामने आने के बाद कार्यकर्ताओं में भी बेहद आक्रोश है। इन हालातों ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चिंता में डाल दिया है।

छात्रावास की छत से कूद आठ छात्राएं हुई फरार, मचा हड़कप

कोरबा। कोरबा के कटघोरा थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में एक छात्रावास में आज सुबह हड़कंप मच गया। जहां छात्रावास की छत से कूदकर आठ छात्राएं फरार हो गई। इस मामले की जानकारी तुरंत ही छात्रावास प्रबंधन ने कटघोरा पुलिस को दी। घंटो की मशक्कत के बाद पुलिस ने तानाखार के पास से सभी बच्चों को बरामद कर लिए गया। बच्चों के सकुशल मिलने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

मलिी जानकारी के अनुसार एनजीओ के माध्यम द्वारा छात्रावास में 39 छात्राएं पढ़ रही हैं। यह छात्रावाल कटघोरा के भारत भवन खुटरीगढ़ में संचालित है। स्पायर एनजीओ दिल्ली की कंपनी है। जो ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को छोड़ चुके बच्चों को पढ़ा रही है। इसी छात्रावास से घर जाने के लिए सभी छात्राएं भागी थी जिन्हें बाद में बरामद कर लिया गया।

दवा की फैक्ट्री में भीषण आग, चार जिंदा जले फायर ब्रिगेड की दर्जनों गाड़ियों ने पाया काबू

अमृतसर (एजेंसी)। बीती रात दवा फैक्ट्री में भीषण आग लगने से एक महिला सहित चार कर्मचारियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा पंजाब के अमृतसर में मजीठा रोड स्थित क्वालिटी फार्मास्युटिकल फैक्टरी में हुई। इस घटना में एक किशोर और एक महिला समेत चार कर्मियों की मौत हो गई। फैक्टरी मालिकों ने तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने करीब आधा दर्जन गाड़ियों की मदद से देर रात आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के अनुसार अमृतसर में मजीठा रोड स्थित क्वालिटी फार्मास्युटिकल फैक्टरी में आग से तबाही का मंजर दिखा। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में शार्ट सर्किट से आग लगी। जिस समय आग लगी तब काफी कर्मचारी काम कर रहे थे। जिसे जहां से जगह मिली वहां से भाग गए। हालांकि चार लोग बच नहीं पाए और उनकी मौत हो गई। हादसे में किशोर कुलविंदर सिंह, रानी, सुखजीत सिंह तथा गुरभेज सिंह की मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने फैक्टरी मालिकों पर लापरवाही के आरोप लगाया है।

बहुमंजिला इमारत में आग से सात की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के गोरोगांव की एक सोसाइटी में शुक्रवार तड़के भीषण आग लग गई। सोसायटी की बिल्डिंग में लगी आग के कारण 7 लोगों की मौत हो गई और 51 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में भी कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दमकल विभाग को आग पर काबू पाने में करीब चार घंटे लगे। आग बुझाने के अभियान में दमकल की आठ गाड़ियों का इस्तेमाल करना पड़ा।

रेलवे ने तोड़ा 160 साल का भरोसा

श्रीकंचनपथ

भारतीय रेल ने अपने यात्रियों का डेढ़ सौ साल से भी ज्यादा पुराना भरोसा तोड़ दिया है. 16 अप्रैल 1853 में भारत भूमि पर पहली बार रेल चली। बोरी बंदर (मुम्बई) से थाने के बीच चली इस ट्रेन ने लगभग 34 किलोमीटर का सफर तय किया था। आजादी के बाद ट्रेनों का तेजी से विकास हुआ और यह देश की लाइफलाइन बन गई। हाल के वर्षों तक यह यात्रा का सबसे ज्यादा आरामदेह, सुरक्षित और सस्ता साधन बना रहा। बड़ी संख्या में लोग सफर के लिए रेलवे को ही प्राथमिकता देते थे। इसकी कई वजहें थीं। रेलवे में आराम से सोकर सफर किया जा सकता है। यात्रा के दौरान चहलकदमी की जा सकती है। टायलेट सुविधा का उपयोग किया जा सकता है। खाते-पीते, गप्पें मारते लोग अपनी यात्रा पूरी किया करते थे। पर अब स्थितियां बदल रही हैं। रेलवे अब यात्रियों का नहीं रहा। एक तरफ भले ही नई-नई आकर्षक ट्रेनों की घोषणा हो रही है पर दूसरी तरफ यात्री ट्रेनों का परिचालन इस कदर गड़बड़ाया है कि लोग इसपर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। साल-दो साल पहले तक त्यौहारी सीजन में रिजर्वेशन के लिए मारा-मारी शुरु हो जाया करती थी। रेलवे की वेबसाइट पर बुकिंग करने वालों का दबाव कई गुणा बढ़ जाता था। स्टेशनों के रिजर्वेशन काउंटरों पर लंबी लाइनें लगा करती थीं। पर अब ऐसा कुछ नहीं है। नवरात्रि को जहां कुछ ही दिन रह गए हैं वही दीपावली भी ज्यादा दूर नहीं है। पर इस बार इसका असर रेलवे पर नहीं देखने को मिल रहा है। पहले दीवाली के तीन-तीन महीने पहले ही मुंबई, दिल्ली, उत्तर-भारत और हावड़ा जाने वाली ज्यादातर ट्रेनें पैक हो जाती थीं। पर इस साल छत्तीसगढ़ से हावड़ा व उत्तर-प्रदेश जाने वाली ट्रेनों को छोड़कर मुंबई-दिल्ली की ट्रेनों में सीटें खाली हैं। इसकी वजह है कि लोग अब ट्रेनों में सीटें रिजर्व कराने में घबराने लगे हैं। एक तो ट्रेनों का घंटों विलंब से चलना और दूसरा कभी भी रद्द हो जाना इसका प्रमुख कारण है। ट्रेनों की इस गड़बड़ी के चलते उच्च शिक्षा और नौकरी के लिए घर से दूर रहने वालों का घर लौटना मुश्किल हो गया है। रेलवे से मोहभंग होने के बाद यह भीड़ हवाई अड्डों की तरफ मुड़ने लगी है। पर यह सुविधा सबकी पहुंच में नहीं है। लंबी रूटों पर लक्जरी बसों का संचालन भी बढ़ रहा है। इन बसों का भाड़ा ट्रेनों के एसी क्लास के बराबर है। आसानी से सीट मिल जाती है। पर यह विकल्प भी केवल युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए ही कारगर साबित हो रहा है। मजे की बात यह है कि यात्री ट्रेनें भले ही रद्द हो रही हों, मालगाड़ियों का परिचालन बदस्तूर हो रहा है। अब यात्री ट्रेनों के लिए मालगाड़ी नहीं रुकती बल्कि मालगाड़ी के लिए यात्री ट्रेनें कैंसिल कर दी जाती हैं। उम्मीद है लोकसभा चुनाव से पहले सबकुछ एकाएक ठीक हो जाएगा।

संपादकीय

क्रिकेट पर निगाह

भारत में एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप का आगाज हो गया। क्रिकेट में बीसीसीआई के वर्चस्व के बावजूद यहां विश्व कप के अवसर कम ही आते हैं, इसलिए ऐसा अवसर हर लिहाज से खास बन जाता है। गुरुवार, 5 अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ शुरू हुआ टूर्नामेंट 19 नवंबर तक चलेगा। डेढ़ महीने से ज्यादा चलने वाले इस आयोजन में न सिर्फ मैदान पर उलटफेर की संभावना रहेगी, समाज और बाजार में भी क्रिकेट का रंग बिखरेगा। भारत में क्रिकेट की पहुंच गली-गली तक है और दुनिया में कहीं भी क्रिकेट हो, उसके दर्शक भारत में मिल जाते हैं। भारत का मुकाबला रविवार को जब ऑस्ट्रेलिया से होगा, तब पूरे देश की नजरें क्रिकेट पर केंद्रित हो जाएंगी। देश के दस शहरों का माहौल निश्चित ही बदलने वाला है। दस टीमों के बीच मुकाबला है और ताज किसी एक के सिर सजना है। यह गौर करने की बात है कि पिछली बार भारत में साल 2011 में एकदिवसीय विश्व कप हुआ था और उसमें महेंद्र सिंह धौनी के नेतृत्व में भारत दूसरी बार विश्व कप जीतने में कामयाब हुआ था।

> वैसे भी त्योहारी सीजन में महंगाई थोड़ी तेज रहती है। इस अवधि में यात्रा टिकट से लेकर रेस्तरां व होटल किराया भी बढ़ना तय है। एक अनुमान है, महंगाई में इस विश्व कप का योगदान 0.25 प्रतिशत तक रह सकता है। यह अर्थव्यवस्था का सहज व्याकरण है कि जब व्यापार बढ़ता है, तब सरकार की कमाई भी बढ़ती है।

यह बात भी गौर करने की है कि पिछले तीन टूर्नामेंट में मेजबान ही विजेता रहा है। ऐसे में, भारत की तगड़ी दावेदारी है। जब क्रिकेट की चर्चा तेज हो, तब बाजार का पक्ष भी गौर करने लायक है। बैंक ऑफ बड़ौदा के अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया है कि इस क्रिकेट विश्व कप से भारत की अर्थव्यवस्था को 2.4 अरब डॉलर तक का बढ़ावा मिलेगा। चूंकि देश में पितृ पक्ष के बाद त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है, इसलिए क्रिकेट के कारोबार और कमाई का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। चूंकि बारह साल बाद यह आयोजन भारत में हो रहा है, इसलिए इसके प्रति दर्शकों में कुछ ज्यादा ही उत्साह है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि टूर्नामेंट के लिए टेलीविजन और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, दोनों सहित कुल भारतीय दर्शकों की संख्या साल 2019 में देखे गए 55.20 करोड़ से कहीं अधिक होगी। भारत अगर अच्छा खेलता है, तो टीवी अधिकार और प्रायोजन राजस्व से भारतीय क्रिकेट से 120 अरब रुपये तक का व्यापार पैदा हो सकता है। मगर एक आशंका यह भी है कि चूंकि यह आयोजन बहुत महंगा है, इसलिए यह महंगाई को कुछ बढ़ा सकता है। वैसे भी त्योहारी सीजन में महंगाई थोड़ी तेज रहती है। इस अवधि में यात्रा टिकट से लेकर रेस्तरां व होटल किराया भी बढ़ना तय है। एक अनुमान है, महंगाई में इस विश्व कप का योगदान 0.25 प्रतिशत तक रह सकता है। यह अर्थव्यवस्था का सहज व्याकरण है कि जब व्यापार बढ़ता है, तब सरकार की कमाई भी बढ़ती है। अतः समग्रता में यह विश्व कप भारत को कुछ और संपन्न कर जाएगा। एक अन्य अनुमान के अनुसार, विश्व कप से 1,248 करोड़ रुपये से अधिक का आश्चर्यजनक प्रायोजन राजस्व पैदा होगा। इस वृहद आयोजन में 20 से भी ज्यादा प्रायोजक और भागीदार हैं, सभी को इससे लाभ की उम्मीद है। आयोजक प्रचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। विश्व कप 2023 के लिए सचिन तेंदुलकर को वैश्विक राजदूत नियुक्त किया गया है। तय है, इस आयोजन से देश में क्रिकेट की लोकप्रियता और बढ़ेगी। सरकार ने अपने स्तर पर सफल आयोजन की व्यवस्था अवश्य की होगी। आयोजन से जुड़े अन्य तमाम लोगों के साथ ही दर्शकों को भी अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करना होगा, ताकि यह आयोजन सबके लिए यादगार बन जाए।

जातीय सर्वेक्षण और सवाल

यह तो साफ है कि बिहार के जातीय सर्वेक्षण से राज्य की सामाजिक संरचना के बारे में कोई आंख खोल देने वाले वाली जानकारी नहीं मिली। बिहार की कुल आबादी में विभिन्न जातीय वर्गों के प्रतिशत के बारे में मोटे तौर पर पहले से मौजूद आम अनुमान के अनुरूप ही जानकारी सामने आई है। तो अब सवाल मौजूं हो गया है कि जातीय सर्वे कराने के बाद बिहार में सत्ताधारी महागठबंधन के पास आगे क्या एजेंडा है? क्या उसने कोई ऐसी योजना तैयार कर रखी है, जिससे विकास के क्रम में पीछे रह गई जातियों और उन जातियों के भी अपेक्षाकृत गरीब वर्गों को आगे लाया जा सकेगा? अगर मुद्दा सिर्फ आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग उठा कर जातीय गोलबंदी करना है, तो इससे बात नहीं बनेगी। जब अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र का हिस्सा घटते हुए लगभग हाशिये पर पहुंच चुका है, सरकारी नौकरियों में आरक्षण से कुछ हजार या लाख लोगों को ही काम मिल सकता है, लेकिन उससे पिछड़े समाज का कायापलट नहीं हो सकता। भारत के मौजूदा संवैधानिक ढांचे के अंदर निजी क्षेत्र में आरक्षण की मांग महज एक दिवास्वप्न है। वैसे भी जब भारतीय पूंजी का बाहर जाना एक प्रमुख रुझान बन गया है, और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं रॉबोटिक्स का उपयोग बढ़ रहा है, भारत के निजी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आम नौकरियों के पैदा होने की संभावना नहीं दिखती। वहां नौकरियां उन लोगों को ही मिलेंगी, जिन्होंने उच्च आधुनिक कौशल हासिल किया हो। इसलिए यह पूछा जाएगा कि उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की व्यवस्था करने के लिए लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार ने क्या काम किया है, जिनके हाथ में पिछले 33 साल से बिहार की बागडोर रही है? जहां तक प्रतिनिधित्व की बात है, तो क्या महागठबंधन अगले चुनावों में विभिन्न जातियों/धर्मों के व्यक्तियों को आबादी में उनके अनुपात के हिसाब से टिकट देने का निर्णय लेगा? मुद्दा यह भी है कि अगर ज्यादा संख्या दलित और अति पिछड़ी जातियों की है, तो तेजस्वी यादव या नीतीश कुमार को क्या महागठबंधन का नेतृत्व उनमें से किसी जाति के नेता को नहीं सौंप देना चाहिए?

अभियोजन का अनदेखा रूप

अगर किसी व्यक्ति और संस्था ने किसी प्रकार के गैर-कानूनी गतिविधि में भाग लिया हो, उसके खिलाफ न्याय की उचित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई जरूर होनी चाहिए। यह बात वेबसाइट न्यूजक्लिक पर भी लागू होती है। उस पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में पहले से मुकदमा चल रहा था। पिछले अगस्त में उस पर एक नया मुकदमा अमेरिकी अखबार में छपी रिपोर्ट के आधार पर दर्ज किया गया, जिसमें आरोप है कि वेबसाइट को एक ऐसे अमेरिकी उद्योगपति ने धन दिया, जो चीन की तरफ से चलाए जाने वाले प्रचार अभियान को आगे बढ़ाता है। अखबारी रिपोर्ट साक्ष्य हो सकती है या नहीं, इस पर न्यायपालिका फैसला देगी। बहरहाल, इस आरोप की जांच में जो तरीका दिल्ली पुलिस ने अपनाया है, वह सचमुच अभूतपूर्व है। मंगलवार को न्यूजक्लिक से जुड़े दर्जनों स्थलों पर छापे मारे गए। हैरतअंगेज यह है कि इस दौरान उस वेबसाइट में काम करने वाले जूनियर स्तर के कर्मचारियों के घर पर भी पुलिस ने दबिश दी और उनके मोबाइल फोन एवं लैपटॉप जब्त कर लिए।

सवाल यह है कि वेबसाइट के प्रबंधकों ने कहां से पैसा लिया, उसकी जानकारी किसी सब-एडिटर या टेक्निकल कर्मचारी को कैसे हो सकती है? बात कर्मचारियों तक नहीं रही। बल्कि वेबसाइट पर लिखने वाले फ्रीलांसरों तक को नहीं बख्शा गया। खुद दिल्ली पुलिस ने बताया है कि उसने 46 व्यक्तियों से पूछताछ की और उनमें से कई को आगे भी इसके लिए तैयार रहने को कहा गया है। क्या यह न्याय की उचित प्रक्रिया है? या यह उसी सोच का एक और इजहार है, जिसमें आरोपी के साथ-साथ उसके परिजनों को भी दोषी मान कर दंडित किया जाता है? सामूहिक दंड आधुनिक न्याय सिद्धांत में सिरे से अस्वीकार्य है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसका प्रचलन बढ़ता जा रहा है।

> दिल्ली की सड़कों पर प्रत्येक वर्ष करीब 400 लोग दुर्घटना के शिकार होते हैं। अब उनके जीवन की कीमत, प्रदूषण की कीमत आदि जोड़ लें, तो मेट्रो चलाने में जितना खर्च आता है, उसकी भरपायी अन्य तरीके से ही हो जाती है। वंदे भारत का भी यही गणित है। इसमें यात्रा शुरू करने से लेकर गंतव्य तक पहुंचने में लगने वाले तमाम खर्च को देखें, तो यह यात्रा किफायती जान पड़ेगी।

ताकि सुविधा के साथ सुगम दौड़े रेल

विजय दत्त, सेवानिवृत्त अतिरिक्त सदस्य, रेलवे बोर्ड

आम वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद अब स्लीपर वंदे भारत को पटरी पर उतारने की कवायद तेज हो गई है। इसकी सेवा अगले साल फरवरी या मार्च से शुरू हो सकती है। वंदे भारत ट्रेन वास्तव में 'मेक इन इंडिया' का हिस्सा है और पहली बार इसे दिल्ली से वाराणसी के बीच दौड़ाया गया था। 2019 में शुरू यह सेमी हाईस्पीड ट्रेन आज 30 से अधिक मार्गों पर चलाई जा रही है। चूंकि आने वाला वक्त ऐसी रेलगाड़ियों का ही है, इसलिए इन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

रेल परिवहन दरअसल विश्व में जलवायु परिवर्तन को थामने में काफी मददगार है। संभवतः इसका योगदान अक्षय ऊर्जा से भी ज्यादा है। आकलन यही है कि परिवहन क्षेत्र में 95 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन सड़कों पर होता है, जबकि रेलों का योगदान एक प्रतिशत है। हालांकि, इसे भी 2030 तक पूर्ण विद्युतीकृत करने का काम काफी तेजी से हो रहा है, जिसके कारण यह उत्सर्जन भी शून्य हो जाएगा। इसका अर्थ है कि जितनी अधिक ट्रेनें चलेंगी, जलवायु सुधारने में हमारा उतना ही योगदान होगा।

देखा जाए, तो वंदे भारत का किराया स्विट्जरलैंड या जर्मनी की उन गाड़ियों से कम ही है, जिनमें वहां के आम लोग यात्रा करते हैं। फिर भी, इनके किराये को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। मगर यदि हम किराये का पूरा अंकगणित देखें, तो चौंक जाएंगे। यात्री गाड़ियां आज भी घाटे में चलाई जा रही हैं और इस घाटे की भरपायी माल भाड़े से की जाती है। रेल टिकटों पर तो अब बाकायदा लिखकर बताया भी जाने लगा है कि यात्री-खर्च का करीब 50 प्रतिशत ही टिकट से वसूला जा रहा है। आखिर घाटे में भी यात्री गाड़ियां क्यों चलाई जा रही हैं? इसे मेट्रो के उदाहरण से समझा जा सकता है। आज के समय में मेट्रो सबसे महंगी रेल है, पर हरेक भारतीय चाहता है कि यह सुविधा उसके शहर को भी मिले। सरकारें भी इसके लिए प्रयासरत हैं। दिलचस्प है कि 1986 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के सामने उनके किसी मित्र ने मेट्रो के परिचालन-खर्च पर सवाल उठाया था, तो उन्होंने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था, जिसका सदस्य यह लेखक भी था। उसमें हमने दो बातें कही थीं। एक, मेट्रो यदि घाटे में नहीं रहेगी, तो चल ही नहीं सकेगी, क्योंकि इसमें होने वाले निवेश और परिचालन खर्च आदि को जोड़ देंगे, तो इसका किराया इतना ज्यादा हो जाएगा कि आम आदमी उसे वहन न कर सकेगा। दूसरी बात, मेट्रो जैसी सेवाओं से देश को कई अन्य तरह के लाभ हैं। इससे जो सामाजिक-आर्थिक फायदा मिलता है, उससे हम निवेश की राशि महज डेढ़ साल में वापस पा सकते हैं। इसे दिल्ली मेट्रो के संदर्भ में समझें।

दिल्ली की सड़कों पर प्रत्येक वर्ष करीब 400 लोग दुर्घटना के शिकार होते हैं। अब उनके जीवन की कीमत, प्रदूषण की कीमत आदि जोड़ लें, तो मेट्रो चलाने में जितना खर्च आता है, उसकी भरपायी अन्य तरीके से हो जाती है। वंदे भारत का भी यही गणित है। इसमें यात्रा शुरू करने से लेकर गंतव्य तक पहुंचने में लगने वाले तमाम खर्च को देखें, तो यह यात्रा किफायती जान पड़ेगी।

रियायती टिकटों के लिए भी यही तर्क दिया जा सकता है। पहले वरिष्ठ नागरिकों को जो रियायतें दी जाती थीं, वे उनकी आर्थिक स्थिति के आधार पर तय नहीं होती थीं। यदि रियायतें देने का दबाव बनाया भी जाता है, तो उम्र के बजाय आर्थिकी को आधार बनाया जाना चाहिए। हालांकि, वंदे भारत जैसी ट्रेनों में इसकी भी जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि प्वॉइंट-टु-प्वॉइंट (यानी अपने गंतव्य तक पहुंचने में खर्च की जाने वाली राशि) का आकलन करने पर हमें इनसे यात्रा करने में फायदा ही होगा।

नई प्रीमियम रेलगाड़ियों एक पहलू ऊर्जा दक्षता भी है। आज भारतीय मेट्रो (बेंगलुरु, कोच्चि और कुछ हद तक कोलकाता को छोड़कर) को पूरी दुनिया में इसलिए सराहा जाता है, क्योंकि यह 25,000 वोल्ट पर दौड़ती है, जबकि अन्य देशों में मेट्रो को महज 750 वोल्ट पर चलाया जा रहा है। तकनीक के जानकार यही मानते हैं कि वोल्टेज जितना ज्यादा होता है, लाभ उतना ही अधिक मिलता है। अब इसे भारतीय रेल के संदर्भ में देखिए। रेल जल्द ही पूर्ण विद्युतीकृत होने वाली है, और ऐसा करने वाले हम दुनिया के पहले देश होंगे। इसके बाद अक्षय ऊर्जा की ओर हम तेजी से बढ़ेंगे। फिलहाल 10-15 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा का इस्तेमाल रेलवे में किया जा रहा है। कॉप-26 में हमारा वादा था कि 2070 तक भारत कार्बन मुक्त हो जाएगा, जिसके लिए जरूरी है कि साल 2030 तक भारतीय रेल पूरी तरह कार्बन-मुक्त हो जाए। यह क्षमता-विस्तार के बिना संभव नहीं है।

पिछले ही महीने ब्रिटेन के एक आयोग ने अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि भारत की तरह कोशिश करें, तब भी हम अपनी 90 प्रतिशत रेलगाड़ियों को ही विद्युतीकृत कर पाएंगे। यही हाल जर्मनी और स्वीडन जैसे देशों का है। जाहिर है, यदि हम इसी तरह प्रगति करते रहेंगे, तो अन्य देशों के लिए ऐसी चुनौतियां भी पेश करते रहेंगे, जिनसे पार पाना उनके लिए मुश्किल होगा। इससे विश्व मंच पर भारत की हैसियत में खुद-ब-खुद इजाफा होगा।

सरकार वंदे भारत ही नहीं, वंदे फ्रेट व वंदे मेट्रो जैसी रेलगाड़ियां चलाने जा रही है। अभी मालगाड़ियां अधिकतम 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं, लेकिन वंदे फ्रेट 200 किलोमीटर से भी अधिक की रफ्तार से दौड़ेगी। वंदे मेट्रो लोकल गाड़ियों की जगह ले लेगी और बतौर उप-नगरीय सेवा इसका इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें मेट्रो जैसे ही डिब्बे होंगे और तमाम सुविधाएं भी। इससे विशेषकर महानगरों की सड़कों का बोझ कम हो सकेगा, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। हालांकि, कुछ और काम भी किए जाने चाहिए, जैसे 1903 में जिस तकनीक से दुनिया में अपनी तरह की अद्भुत कालका-शिमला रेल सेवा शुरू की गई थी, उसका विस्तार होना चाहिए। इससे हम पर्वतीय क्षेत्रों में रेल सेवा का नया जाल बिछा सकते हैं, जिससे पहाड़ों की सेहत भी नहीं बिगड़ेगी और पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचेगा। इसी तरह, मुंबई उपनगरीय रेल सेवा के तहत अगर समुद्र के किनारे नई रेल लाइन बिछाई जाए, तो चर्चगेट से बांद्रा जैसी जगहों की दूरी और इसमें लगने वाला वक्त, दोनों कम किया जा सकता है। इन सबसे हम अपने देश में कहीं अधिक पर्यावरण-अनुकूल रेल यातायात संभव बना सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पितृ पक्ष वही जो हमें बुजुर्गों और गरीबों के बीच ले जाए

नंदितेश निलय, नैतिक शिक्षा से जुड़े लेखक

वह अमेरिका के एक बड़े अस्पताल में कामयाब डॉक्टर थे। अपने जन्मदिन पर उन्हें भारत में रह रहे पिता के पत्र का इंतजार रहता था। उस साल उनका पत्र जन्मदिन के एक सप्ताह बाद मिला। स्नेह से सराबोर पत्र में आदेश भी था, 'अब तुम्हें भारत लौट आना चाहिए। आखिर अपने देश और समाज के प्रति भी तुम्हारे कुछ कर्तव्य हैं।' पुत्र ने स्वदेश लौटने का फैसला ले लिया। विदाई- पार्टी में जब इतनी आरामदायक जिंदगी छोड़कर भारत जाने से रोकने की चेष्टा हुई, तो डॉक्टर पुत्र का जवाब था, 'माता-पिता का आदेश क्या होता है, इसको महसूस करने के लिए भारत में पैदा होना होगा।' यह वाक्य डॉ प्रताप चंद्र रेड्डी का है, जो आज अपोलो अस्पताल समूह के मालिक हैं।

जो बात पहले जितनी आसान रही, वह आज उतनी ही मुश्किल होती जा रही है। जीते जी अपने मां-बाप की सेवा करना, घर के बुजुर्गों व पूर्वजों के प्रति सदैव आदर भाव रखना अब आसान नहीं रह गया है। ऐसे दौर में पितृ पक्ष हमें एक संदेश देता है। हमें कुछ याद दिलाता है। लोग इन दिनों एक अलग ही भाव में रहते हैं और श्राद्ध, पिंडदान व तर्पण करते हैं, ताकि अपने पूर्वजों से जुड़े रहें। मगर पितृ पक्ष हमसे कुछ सवाल भी करता है- क्या हम इसे एक घिसी-पिटी परंपरा मानकर भूल जाएं और अपनी सामान्य जिंदगी जीते रहें? क्या हमें नहीं सोचना चाहिए कि पितृ पक्ष की कल्पना क्यों की गई थी? क्या हम इससे सीखकर समाज को बेहतर बना सकते हैं? क्या हमारे अंदर भूखों-गरीबों का पेट भरने की करुणा इस पक्ष में आ सकती है? क्या हम दरिद्र नारायण के दर्द को समझ सकने की स्थिति में हैं? क्या हमारे अंदर ऐसा इंसान बचा है, जो किसी के एहसान नहीं भूलता? हमारा देश बुजुर्गों व पूर्वजों के प्रति कितना संवेदनशील है?

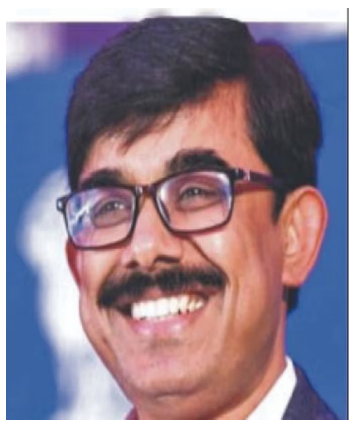

अगर हम 2011 की जनगणना के आंकड़े देखें, तो देश में बुजुर्गों की आबादी दस करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। यह संख्या करीब 13 करोड़, 80 लाख हो गई है, जिसके वर्ष 2031 तक 19.4 करोड़ हो जाने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह भी कम ध्यान देने योग्य नहीं है कि केवल 25 फीसदी कंपनियों के पास ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा सुविधाए हैं। ऐसे में, ज्यादातर ग्राहक अपने पर आश्रित माता-पिता और सास-ससुर के लिए स्वास्थ्य बीमा लेने में सक्षम नहीं हैं। एक पक्ष यह भी है कि माता-पिता का बीमा खरीदने में सक्षम होने के बावजूद कई लोग मुंह मोड़ लेते हैं। भारत सरकार ने 'वेलफेयर ऑफ पैरेंट्स ऐंड सीनियर सिटीजन्स ऐक्ट 2007' (माता-पिता व वरिष्ठ नागरिकों की देखरेख एवं कल्याण अधिनियम 2007) लागू किया है। बुजुर्ग या वरिष्ठ नागरिक आत्मसम्मान व शांति से जीवन-यापन कर सकें, इसी के लिए यह कानून बनाया गया है। वहीं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) द्वारा जारी इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 ने भारत में बुजुर्ग जनसंख्या के बढ़ने और देश पर इसके प्रभावों की पुष्टि भी की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष से अधिक) की संख्या 2022 में 10.5 प्रतिशत थी, तो 2050 तक 20.8 प्रतिशत हो जाएगी। देश में 15 करोड़ के बजाय 35 करोड़ बुजुर्ग हो जाएंगे। ऐसे में, पितृ पक्ष के समय ही सही, आज के युवाओं को अपने भविष्य के बारे में जरूर सोचना चाहिए। भारतीयों को यह देखना चाहिए कि दूसरे देश अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? अमेरिका में 'फैमिली मेडिकल केयर ऐक्ट' के मुताबिक, वरिष्ठ नागरिकों की सेवा के लिए सात दिन तक पेड लीव की सुविधा है। वहीं जापान की तो 40 प्रतिशत जनसंख्या 60 साल से ऊपर की है। वहां सरकार ने 40 साल से ऊपर के सभी लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा को जरूरी कर दिया है। कमाल की बात यह है कि माता-पिता की अच्छी सेवा करने वालों को जल्दी पदोन्नत करने का भी सरकारी प्रावधान है। फ्रांस में हरेक शख्स को अपने एक दिन का वेतन बुजुर्गों के कल्याण-कोष में देना पड़ता है।

पितृ पक्ष पर हमें गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की वह कविता याद आ रही है, 'सूरज डूब रहा है। चारों तरफ अंधेरा छाने लगा है। एक वृद्ध चिंतित है कि अब भला कौन उन्हें संभालेगा। तभी एक युवा हाथ में एक छोटा-सा दिया लिए उठते हुए कहता है, मैं!'

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

महिला सशक्तिकरण और आरक्षण में फर्क है

अजीत द्विवेदी

संसद के विशेष सत्र में दोनों सदनों से पास होने के बाद महिला आरक्षण बिल, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम नाम दिया गया है उस पर राष्ट्रपति के भी दस्तखत हो गए हैं यानी यह कानून बन गया है। जब से यह कानून संसद से पास हुआ तब से कोई दर्जन भर राजनीतिक रैलियों और सरकारी कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए यह दावा किया है कि विपक्षी पार्टियां इतने बरसों से इसे पास नहीं करा पाई थीं लेकिन महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध उनकी सरकार ने इसे कानून बनवाया है। अब महिलाओं को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है, ऐसा दावा किया जा रहा है। हालांकि कानून कब लागू होगा, उसकी कोई समय सीमा तय नहीं है। 2029 के लोकसभा चुनाव से लेकर 2039 तक की समय सीमा का दावा किया जा रहा है। सरकार ने महिला आरक्षण को जनगणना और परिसीमन के साथ जोड़ दिया है। सो, जब ये दोनों काम होंगे उसके बाद आरक्षण लागू होगा। आरक्षण लागू होने का समय कब आएगा इस बारे में पहले काफी कुछ लिखा जा चुका है।

अब सवाल है कि क्या महिला आरक्षण जब भी लागू होगा तब सिर्फ उसके दम पर महिलाएं सशक्त हो जाएंगी? क्या इससे राजनीति में उनकी भूमिका ऐसी हो जाएगी कि वे अपने हिसाब से राजनीति को संचालित कर सकें? इन सवालों के जवाब बहुत मुश्किल नहीं है। लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था लागू होने से लोकसभा और विधानसभाओं में महिला सांसदों व विधायकों की संख्या तो जरूर बढ़ जाएगी लेकिन राजनीति में उनकी भूमिका बढ़ जाएगी, यह नहीं कहा जा सकता है। संख्या में बढ़ोतरी इस बात की गारंटी नहीं है कि महिलाएं पार्टी के राजनीतिक मामलों में निर्णायक भूमिका निभाने लगेंगी या उनकी मर्जी के बगैर पार्टियों में फैसले नहीं होंगे। अगर ऐसा होता तो आज सभी पार्टियों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नेता निर्णायक होते।

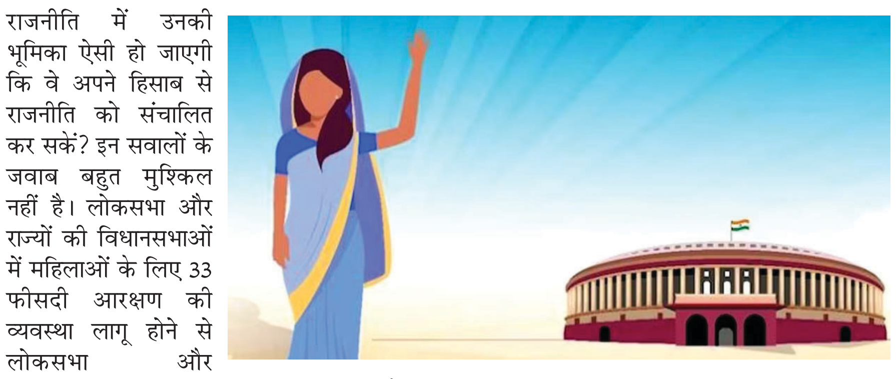

आखिर दशकों से लोकसभा में अनुसूचित जाति के लिए 84 और अनुसूचित जनजाति के लिए 47 यानी कुल 131 सीटें आरक्षित हैं। यह कुल संख्या का 24 फीसदी है। यानी लोकसभा में एक चौथाई सीटें एससी और एसटी के लिए आरक्षित हैं। अनुसूचित जाति व जनजाति के इतने लोकसभा सांसद अलग अलग पार्टियों से जीत कर आते हैं। लेकिन क्या कोई यह दावा कर सकता है कि संसद में एससी और एसटी सांसद निर्णायक भूमिका निभाते हैं या अपनी पार्टियों में उनकी भूमिका इतनी अहम होती है कि उनके बगैर फैसला नहीं हो? यही स्थिति महिला आरक्षण की व्यवस्था लागू होने के बाद भी रहेगी। लोकसभा में महिला सांसदों की और राज्यों की विधानसभाओं में महिला विधायकों की संख्या बढ़ जाएगी लेकिन सिर्फ इतने भर से उनकी भूमिका नहीं बढ़ जाएगी, उनका राजनीतिक सशक्तिकरण नहीं हो जाएगा। आरक्षण से वे पार्टियों में महत्वपूर्ण हो जाएंगी ऐसा नहीं कहा जा सकता है। उनके सांसद या विधायक बनने से समाज में महिलाओं का सशक्तिकरण हो जाएगा ऐसा भी नहीं कहा जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो दशकों से जारी आरक्षण की व्यवस्था से अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों का कल्याण हो चुका होता या स्थानीय निकायों में आरक्षण से महिलाएं ही राजनीतिक रूप से इतनी सशक्त हो गई होतीं कि उनको आगे की राजनीति के लिए आरक्षण की जरूरत नहीं होती। लेकिन हकीकत यह है कि आजादी के बाद से अनुसूजित जाति व जनजाति के लोगों की शैक्षणिक व सामाजिक स्थिति में बहुत कम अंतर आया है और उनकी राजनीतिक ताकत तो अब भी हाशिए पर है। यही स्थिति कमोबेश महिलाओं की भी है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि पार्टियां आरक्षण के कानून की मजबूरी में उनको टिकट तो देती हैं लेकिन उनको सशक्त बनाने के लिए काम नहीं करती हैं। उनको पार्टी के अंदर फैसला करने वाले अहम निकायों में जगह नहीं दी जाती है। उनकी राजनीतिक भूमिका नहीं बढ़ाई जाती है। उनको राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने का काम नहीं किया जाता है। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि बहुजन आंदोलन में अग्रणी रहीं बसपा प्रमुख मायावती ने भी अपनी पार्टी के अंदर न तो महिलाओं को आगे बढ़ा कर सशक्त किया और न अनुसूचित जाति के नेताओं को आगे बढ़ा कर उनको सशक्त बनाया। वे ऐसी भूमिका में थीं और उनके हाथ में इतनी ताकत थी कि वे एक साथ महिला और दलित दोनों का कल्याण कर सकती थीं। लेकिन इस देश की राजनीतिक व्यवस्था की जो मजबूरियां हैं उनकी वजह से वे भी बने बनाए ढर्रे पर चलती रहीं। हालांकि यह जरूर है कि पिछले 75 साल से भारत में चल रही लोकतांत्रिक व्यवस्था में दलित, आदिवासी, पिछड़े, महिलाएं, अल्पसंख्यक आदि वोट बैंक के रूप में उभरे हैं और चुनावों के समय पार्टियां इसी रूप में इनको एड्रेस करती हैं और उनका इस्तेमाल करती हैं।

इसलिए महिला आरक्षण अपने आप में इस बात की गारंटी नहीं है कि महिलाओं का राजनीतिक या सामाजिक रूप से सशक्तिकरण हो जाएगा। हां, यह जरूर है कि इससे एक आगाज होगा। लेकिन उस आगाज को अंजाम तक पहुंचाने का काम तो अंततः राजनीतिक दलों को ही करना होगा। चाहे भाजपा हो या कांग्रेस या कोई क्षेत्रीय पार्टी हो अगर पार्टियां महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं तो उनको अपनी पार्टी के अंदर महिलाओं को निर्णायक भूमिका में लाना होगा और यह काम सिर्फ संख्या बढ़ाने से नहीं होगा।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
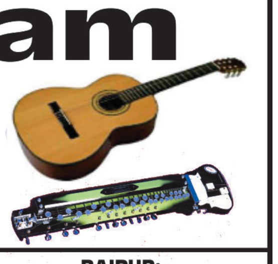
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

भारतीय वन सेवा के आठ अधिकारियों का तबादला

रायपुर। राज्य शासन ने भारतीय वन सेवा के 8 अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया है। गुरुवार शाम जारी हुए आदेश के अनुसार रमेश चंद्र दुग्गा महाप्रबंधक छग राज्य लघु वनोपज संघ नया रायपुर अटल नगर को प्रभारी मुख्य वन संरक्षक जगदलपुर वृत्त जगदलपुर, मनीष कश्यप उप वन संरक्षक छग राज्य वन विकास निगम लिमिटेड नया रायपुर को वन मंडलाधिकारी जांजगीर चांपा वनमंडल, दिनेश कुमार पटेल वनमंडलाधिकारी जांजगीर चांपा वन मंडल को वनमंडलाधिकारी नारायणपुर वनमंडल, रौनक गोयल उपवनमंडलाधिकारी अनुसंधान एवं विस्तार वनमंडल रायपुर को छग राज्य वन विकास निगम लिमिटेड नया रायपुर अटल नगर, सुश्री ग्रीष्मी चांद उपवनमंडलाधिकारी बलौदाबाजार वन मंडल को उपवन संरक्षक कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरण्य भवन नया रायपुर अटल नगर, चंद्रशेखर शंकर सिंह परदेशी उपवनमंडलाधिकारी दक्षिण नारायणपुर वनमंडल को वनमंडलाधिकारी दुर्ग वनमंडल, हेमचंद पहारे उपवन संरक्षक छग राज्य वन विकास निगम लिमिटेड नया रायपुर को संचालक सहवनमंडलाधिकारी जंगल सफ़री वनमंडल रायपुर तथा वी एस सरोटे उपवन संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम नया रायपुर को वनमंडलाधिकारी अनुसंधान एवं विस्तार मंडल बिलासपुर भेजा गया है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाने किया गया मंथन

रायपुर। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत तंबाकू नियंत्रण नीतियों का राज्य में क्रियान्वयन किए जाने व तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेपों को रोकने हेतु तंबाकू नियंत्रण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन फ्रेमवर्क कन्वेंशन के अनुच्छेद 5.3 के प्रावधानों को लागू किए जाने हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन गुरूवार को राजधानी के एक होटल में किया गया। कार्यशाला में देशभर से आए विषय विशेषज्ञों ने एक ओर जहां राज्य के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि प्रतिभागियों को अनुच्छेद 5.3 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं दूसरी ओर प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों को भी सविस्तार से बताया। भारत में तंबाकू नियंत्रण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (डब्ल्यूएचओ एफ़सीटीसी) के अनुच्छेद 5.3 जो सरकारों द्वारा तंबाकू उद्योग के वाणिज्यिक और अन्य निहित स्वार्थों से स्वास्थ्य नीति की रक्षा के लिए उपायों का आह्वान करता है, के संबंध में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई। स्वास्थ्य नीतियों में तंबाकू कंपनियों की दखल अंदाजी को देखते हुए आयोजित कार्यशाला में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। साथ ही जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जनजागरूकता के जरिए अनुच्छेद 5.3 के क्रियान्वयन पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग और 'द यूनियन' की ओर से आयोजित कार्यशाला में राज्य नोडल अधिकारी तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम डॉ. कमलेश जैन ने राज्य में तंबाकू नियंत्रण की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा तंबाकू नियंत्रण की दिशा में छत्तीसगढ़ में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुच्छेद 5.3 के संबंध में भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी कोड ऑफकंडक्ट को सभी जिला नोडल अधिकारियों में पूर्व में पत्र जारी किया गया है। साथ ही राज्य तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ट (एसटीसीसी) की राज्य स्तरीय बैठक में भी इसकी चर्चा की गई है। जल्द ही शासन को इस संबंध में एक मसौदा सौंपा जाएगा।

3456 देवगुड़ियों और मातागुड़ियों को मिला सामुदायिक वनाधिकार पत्र

बस्तर की देवगुड़ियां और मातागुड़ियां हुई लिपिबद्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर।छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल बस्तर अंचल में सदियों से अनेक जनजातीय समुदाय निवासरत हैं। इन जनजातीय समुदायों की अपनी अलग सांस्कृतिक विरासत है। आदिवासियों के विरासत में आस्था का केन्द्र देवगुड़ी-मातागुड़ी है, जिसकी जनजातीय समुदायों में अपनी महत्ता है। राज्य शासन की मंशानुरूप देवगुड़ियों-मातागुड़ियों को संरक्षित एवं संवर्धित करने की दिशा में बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के द्वारा विभिन्न मदों के अभिसरण से इन देवगुड़ियों-मातागुड़ियों का जीर्णोद्धार करने सहित उन्हें संवारने के लिए व्यापक पहल की गई है।

जनजातीय समुदाय के अधिकांश समूह प्रकृति पूजक हैं वे पेड़-पौधों में अपने देवी-देवताओं का वास मानते हैं और इसी आस्था के फ्लस्वरूप वनों को बचाने के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं। यही वजह है कि इन देवस्थलों पर बहुतायत मात्रा में पेड़-पौधे पाये जाते हैं। इन देवस्थलों के परिसरों में वृहद स्तर पर फ्लदार एवं छायादार पौधरोपण किया जा रहा है। इसके साथ ही उक्त देवस्थलों का सामुदायिक वनाधिकार मान्यता पत्र प्रदान कर देवगुड़ियों एवं मातागुड़ियों सहित गोटुल एवं प्राचीन मृतक स्मारकों के भूमि को संरक्षित करने के उद्देश्य से सम्बंधित देवी-देवताओं के नाम से भूमि को राजस्व अभिलेख में दर्ज किया गया है। वहीं इन देवगुड़ियों-मातागुड़ियों और गोटुल एवं प्राचीन मृतक स्मारकों को उनके नाम से सामुदायिक वनाधिकार मान्यता पत्र जारी किया गया है, ताकि इन सांस्कृतिक-सामाजिक धरोहरों के परिसरों को अवैध कब्जा से बचाया जा सके। साथ ही इन धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में स्थानीय जनजातीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित किया जा सके।

देश में पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य एवं बस्तर संभाग देश का ऐसा संभाग है, जो आदिवासी समुदायों की आस्था एवं जीवित परम्पराओं के केन्द्र मातागुडी, देवगुडी, गोटूल, प्राचीन मृतक स्मारक, सेवा - अर्जी स्थल आदि के संरक्षण, संवर्धन तथा परिरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम के तहत देवी-देवताओं के नाम से ग्राम सभा को 2453 सामुदायिक वनाधिकार पत्र प्रदान किये गये हैं। इनमें कुल 7075 मातागुडी, देवगुडी, गोटूल, प्राचीन मृतक स्मारक के लिये 2607.20 हेक्टेयर (6466 एकड़) भूमि राजस्व अभिलेखों में प्रविष्टि कर संरक्षित किया गया है। बस्तर संभाग में कुल 22884 बैगा, सिरहा, मांझी, गुनिया, गायता, पुजारी, बजनिया, अटपहरिया आदि को राजीव गांधी भूमिहीन कृषक मजदूर न्याय योजना अन्तर्गत पंजीकृत किया जाकर प्रत्येक को प्रतिवर्ष 7000 रूपए प्रदान किया जा रहा है। बस्तर में क्षेत्रवार आदिवासी समुदायों के देवी-देवताओं की वाचिक परम्परा में प्रचलित मान्यताओं को लेखबद्ध कर उन्हें जारी किये गये सामुदायिक वन अधिकार के प्रपत्रों को संकलित कर पुरखती कागजात'' नामक (भाग एक) पुस्तिका तैयार की गई है। पुरखती कागजात'' (भाग-दो) में संरक्षित खसरों का संकलन है, जिसमें भुईया के माध्यम से खसरे के कैफ्यित कॉलम में मातागुडी, देवगुड़ी के नाम व रकबा उल्लेखित कर राजस्व अभिलेख संरक्षित किया गया है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुसार और बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल के मार्गदर्शन में आस्था एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए देवगुड़ी तथा मातागुड़ी निर्माण एवं जीर्णोद्धार सहित गोटुल निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जा रहा है। बस्तर अंचल की आस्था और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में 6283 देवगुड़ी और मातागुड़ी में से 3244 का जीर्णोद्धार की स्वीकृति दी गई है और अब तक 2320 देवगुड़ी एवं मातागुड़ियों का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वहीं स्वीकृत 297 गोटुल निर्माण कार्यों में से 200 कार्यो को पूर्ण किया गया है। बस्तर संभाग के अंतर्गत कुल 7075 देवगुड़ियों एवं मातागुड़ियों सहित गोटुल एवं प्राचीन मृतक स्मारकों में से 3619 देवगुड़ी-मातागुड़ी और गोटुल एवं मृतक स्मारक राजस्व, गैर वनभूमि, निजी भूमि तथा अन्य मदों की भूमि पर अवस्थित हैं, जिससे 898 हेक्टेयर रकबा भूमि संरक्षित है। वहीं शेष सभी 3456 देवगुड़ियों-मातागुड़ियों और घोटुल एवं प्राच्य मृतक स्मारकों का सामुदायिक वनाधिकार मान्यता पत्र समुदाय को प्रदान कर करीब 1709 हेक्टेयर रकबा भूमि संरक्षित किया गया है। लगभग 6466 एकड़ राजस्व भूमि को देव-मातागुड़ी के रूप में संरक्षित किया गया है। जिससे प्रोत्साहित होकर जनजातीय समुदाय के लोग स्वयं एक कदम आगे आकर देवगुड़ी तथा मातागुड़ियों को संवारने के लिये सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं और सांस्कृतिक-सामाजिक धरोहरों को सहेजने की दिशा में शासन के प्रयासों को सराहनीय निरूपित कर रहे हैं।

इसके अलावा प्राधिकरण के द्वारा विगत पांच वर्षों में संभाग के सातों जिलों में 01 अरब 50 करोड़ 99 लाख रूपए की लागत के 7334 विकासमूलक कार्य स्वीकृत किये गये हैं। इसी अनुक्रम में दन्तेवाड़ा जिले में गरीबी उन्मूलन हेतु निजी भूमि पर नलकूप एवं समूह तार फेंसिंग, बायोफ्लॉक मछलीपालन आदि के लिये 2500 हितग्राहियों को 49 करोड़ 43 लाख 73 हजार रूपए की लागत के कार्य स्वीकृत किये गये हैं।

आदिवासी समुदायों के परम्पराओं एवं मान्यताओं पर आधारित सामाजिक ताना-बाना

बस्तर संभाग में निवासरत प्रमुख आदिवासी समुदायों यथा- गोड, हल्बा, भतरा, धुरवा, मुण्डा, मुरिया, कोया समुदाय के लोगों के जीवन में प्रचलित सांस्कृतिक रीति-रिवाजों एवं विभिन्न प्रकार के जन्म-मृत्यु संस्कारों, त्यौहारों, विभिन्न परम्पराओं एवं मान्यताओं पर आधारित सामाजिक ताना-बाना नामक पुस्तिका बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण द्वारा प्रकाशित की जा रही है। इन पुस्तकों का संबंधित समाजो के प्रतिनिधियों द्वारा लिपिबद्ध किया गया है।

बस्तर वीर सपूतों एवं वीरांगनाओं की प्रतिमा की स्थापना

बस्तर अंचल के महान वीर सपूतों एवं वीरांगनाओं की स्मृति को चिरस्थायी एवं जीवंत बनाए रखने के लिये वीर सपूतों एवं वीरांगनाओं की प्रतिमा की स्थापना हेतु 37 कार्य के लिए 392.03 लाख रूपए प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किये गये हैं। बस्तर के ऐतिहासिक गौरवपूर्ण इतिहास में 1774-1910 तक हुए विभिन्न प्रकार के आदिवासी विद्रोह, हल्बा विद्रोह, भोपालपट्नम विद्रोह, परल कोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, मेरिया माड़िया विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मुरिया विद्रोह, भूमकाल विद्रोह आदि की तत्कालीन परिस्थितियों से आज की आने वाले पीढ़ियों को अवगत कराने एवं अपने गौरवपूर्ण इतिहास के प्रति आत्मगौरव जागृत कराने हेतु बस्तर का मुक्ति संग्राम नामक डॉक्यूमेंट्री सिरीज तैयार की जा रही है।

प्राधिकरण की अधिकृत वेबसाइट का शुभारंभ

बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के कार्यों को और अधिक ग्रामीणों तक सुलभ बनाने के लिये बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का अधिकृत वेबसाइट www.tdabastar.cgstate.gov.in तैयार किया गया है। गौरतलब है कि बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का गठन राज्य शासन द्वारा 27 फरवरी 2019 को किया गया था। इसके अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा सदस्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बनाया गया है। प्राधिकरण अन्तर्गत संभाग के बस्तर, कोण्डागांव, नारायणपुर, कांकेर, दन्तेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले समाहित हैं। संस्कृति का परिरक्षण, संवर्धन एवं संरक्षण करना है, इस प्राधिकरण के अन्तर्गत क्षेत्र तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के लिए अन्य कार्य स्वीकृत किये जा रहे हैं।

नवीन 725 समितियों के भवन व गोदाम निर्माण के लिए 185 करोड़ रुपए प्रदान किए गए: बैजनाथ चन्द्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर ने कवर्धा जिले के प्राथमिक कृषि सहकारी साख समिति (पैक्स) के अध्यक्षगणों का दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार की नीतियों और योजनाओं से छत्तीसगढ़ की सहकारिता और अधिक सुदृढ़ हुई है। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ सहकारी प्रशिक्षण संस्थान पंडरी रायपुर में 03 एवं 04 अक्टूबर को आयोजित हुआ।

अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पांच वर्ष के कार्यकाल में राज्य में सहकारी समितियों की संख्या 1333 से बढ़कर 2058 हो गई है। इसी प्रकार सहकारी बैंकों की शाखाएं 276 से बढ़कर 329 हो गई है। नवीन 725 समितियों के भवन एवं गोदाम निर्माण के 185 करोड़ रूपए प्रदान किए गए है।

उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों को 217 करोड़ रूपए की क्षतिपूर्ति राशि दी गई है। किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन केंद्रों की संख्या पहले 1995 थी जो अब 2617 हो गई है। प्रदेश के दूरस्थ तथा वनांचल क्षेत्रों में सहकारी बैंकों की शाखाएं खोली गई और अब तक 192 एटीएम लगाए जा चुके है।बैजनाथ चन्द्राकर ने सभी समिति अध्यक्षों से कहा कि आगामी धान खरीदी की तैयारी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों में किसानों को धान विक्रय करने में किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। प्रशिक्षण में कवर्धा जिले के सोसाइटियों से 45 अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया गया। विषय विशेषज्ञों द्वारा नेतृत्व तथा क्षमता विकास और समितियों के विधिसम्मत कार्य संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर अपेक्स बैंक के डीजीएम एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक भूपेश चंद्रवंशी, उप निदेशक ए.के. लहरे, एजीएम अजय भगत, प्रबंधक अभिषेक तिवारी, लेखा अधिकारी प्रभाकर कांत यादव भी मौजूद थे।

सामाजिक व्यवहार परिवर्तन विषय पर सामाजिक प्रतिनिधियों का एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में यूनिसेफ व जिला प्रशासन के समन्वय से स्वस्थ जच्चा सुरक्षित बच्चा अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

अभियान अंतर्गत मातृ एवं शिशु सुरक्षा के बारे में जनजागरूकता लाई जा रही है।साथ ही गरियाबंद को उत्कृष्ट जिला बनाने की पहल पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रमुख एवं समुदाय प्रमुख, संस्थाओं एवं अन्य विभाग के समन्वय से विभिन्न गतिविधियां संचालित किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में आज कार्यालय जनपद पंचायत गरियाबंद में सामाजिक व्यवहार परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला में मौजूद लोगों को मातृ एवं शिशु की सम्पूर्ण सुरक्षा,पोषण, संस्थागत प्रसव टीकाकरण स्तनपान,प्रसव पूर्व जांच,की विभिन्न घटक पर जानकारी देकर उन्हें जिला स्तरीय प्रभावशाली व्यक्तियों की पहचान कर ग्रामीण क्षेत्र में व्यवहार परिवर्तन के बारे में लोगों को जागरुक करने की जानकारी दी गई। एक दिवसीय कार्यशाला में जिला स्तरीय सामाजिक संगठन, रूढ़िवादी के प्रति सामाजिक परिवर्तन लाने हेतु जन जागरूकता लाने को प्रोत्साहित किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग,के सी उरांव सीएमएचओ गरियाबंद,जिला पंचायत गरियाबंद से पतंजल मिश्रा, जनपद पंचायत गरियाबंद से पंकज कुटारे, क्षेत्रीय समन्वयक दुर्गेश साहू, यूनिसेफ के वालिंटियर एवं जनपद पंचायत स्टाफ मौजूद रहे।

तैयारी और जिज्ञासा से बनती है राहें आसान-आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग में एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर गरियाबंद ज़िले के राजिम स्थित पीजी कॉलेज के विद्यार्थी पहुँचे ।राजनीति शास्त्र के इन 26 विद्यार्थियों ने एक ओर जहां राज्य निर्वाचन आयोग के सभी कक्षों का भ्रमण किया वहीं भ्रमण के अंत में राज्य निर्वाचन आयुक्त ठाकुर राम सिंह , सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक़ से सभाकक्ष में सौजन्य मुलाक़ात भी की ।

आयुक्त श्री ठाकुर ने सबसे पहले विद्यार्थियों के इस शैक्षिक भ्रमण को उनके ज्ञानवर्धन में सहयोगी बताया ।

उन्होंने राजधानी पहुँचे इन कोतुहूल बच्चों की निर्वाचन प्रक्रिया , आदर्श आचरण संहिता , निर्वाचन के दौरान उपयोग में लाये जाने वाले ईवीएम, बैलट पेपर इत्यादि के बारे में जिज्ञासाओं को बारी बारी से शांत किया ।उन्होंने विद्यार्थियों को हिदायत भी दी कि मन में जिज्ञासा बनी रहनी चाहिए, उससे बारीकी से बातों को समझने में आसानी होती है ।वहीं हर काम की बेहतरी के लिए तैयारी भी ज़रूरी है ।

यह तैयारी हममें आत्म विश्वास लाती है और मन के झिझक को भी दूर करती है। मुलाक़ात के दौरान पहले तो विद्यार्थी थोड़ा झिझक रहे थे लेकिन आयुक्त श्री सिंह के स्नेहिल व्यवहार से उत्साहित हो विद्यार्थियों ने अनेक सवाल किए । लगभग 45 मिनट की इस बातचीत के बाद विद्यार्थी बड़े संतुष्ट नज़र आये और आयुक्त और सचिव का धन्यवाद भी ज्ञापित किया । इस अवसर पर अवर सचिव द्व आलोक श्रीवास्तव , प्रणय वर्मा सहित आयोग के अधिकारी भी मौजूद रहे ।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

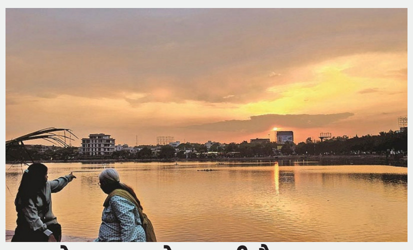

अगले सप्ताह हो सकती है मानसून की विदाई, पांच दिनों तक तापमान में नहीं होगा बदलाव

रायपुर (ए)। अब दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई शुरू हो गई है और अगले सप्ताह 12 अक्टूबर के आसपास प्रदेश से भी मानसून की विदाई संभावित है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों में जम्मू कश्मीर के शेष बाग, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश सहित कई क्षेत्रों में मानसून की विदाई के लिए अनुकुल समय है। विभाग का कहना है कि आने वाले पांच दिनों तक प्रदेश के अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि शुक्रवार को प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा संभावित है। बीते कुछ दिनों से बारिश न होने के कारण अधिकतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है। गुरुवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम रहा। मौसम विज्ञानि का कहना है कि आने वाले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। अब प्रदेश में भी मानसून की विदाई के आसार बनने लगे है। न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी। प्रदेश में एक जून से लेकर अब तक की स्थिति में 1036 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है,जो पर्याप्त मानी जा रही है। हालांकि यह बारिश सामान्य से लगभग सात फीसद कम है।

चुनाव के दौरान प्रभावित नहीं होंगे शासकीय कार्य: कलेक्टर

रायपुर (ए)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए जिन अधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां मिली है उनका गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें। चुनाव सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। आचार संहिता लगने के बाद नए कार्य प्रारंभ नही होंगे और सभी शासकीय कार्यालयों में आम जनता से जुड़े दैनंदिनी कार्य प्रभावित नही होंगे वे निरंतर जारी रहेंगे। पहले से जो कार्य प्रगति पर है या प्रारंभ हो चुके है वे कार्य जारी रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत जो पट्टे वितरण होना है उन्हें त्वरित गति से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि डेंगू-मलेरिया तथा अन्य मौसमी बिमारियों पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट रहें आमजनों को जागरूक करें और दवाईयों तथा ईलाज की व्यवस्था बनाएं रखें। सड़कों की मरम्मत भी त्वरित गति से पूर्ण करें। साथ ही शहर में साफ-सफाई की व्यवस्था बनाएं रखें। इस बैठक पर नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत सीईओ अबिनाश मिश्रा, सभी एडीएम, एसडीएम तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हमारा गौरव, दधीचि की तरह आत्मदान कर देश को दिलाई पराधीनता से मुक्तिः सीएम बघेल

शासकीय स्वर्गीय नारायण प्रसाद अवस्थी आयुर्वेदिक महाविद्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पद्मश्री स्वर्गीय डॉ. महादेव प्रसाद पांडेय और समाजसेवी स्वर्गीय नारायण प्रसाद अवस्थी की प्रतिमा अनावरण के कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

राजीव गांधी आश्रय योजना के हितग्राहियों को भी सौंपे पट्टे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हमारे गौरव हैं। मातृभूमि की रक्षा के लिए, आम जनता की भलाई के लिए उन्होंने अपने प्राणों की परवाह नहीं की। पद्मश्री स्वर्गीय डॉ. महादेव प्रसाद पांडेय ने तो 13 साल की छोटी सी आयु में स्वाधीनता संघर्ष में हिस्सा लिया, वहीं समाजसेवी स्वर्गीय नारायण प्रसाद अवस्थी ने आयुर्वेद की शिक्षा के विकास के लिए अपनी मालगुजारी के पांच गांव त्याग दिये। ये हमारे पुरखे दधीचि की तरह हैं जिन्होंने अपना सब कुछ लूटाकर, दान कर देश को समर्पित कर दिया।

यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शासकीय स्वर्गीय नारायण प्रसाद अवस्थी आयुर्वेदिक महाविद्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पद्मश्री डॉ. महादेव प्रसाद पांडेय और समाजसेवी स्वर्गीय नारायण प्रसाद अवस्थी के प्रतिमा अनावरण के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवादा मेरे पैतृक गांव से करीब ही है और इस गांव में एक साथ 13 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने गिरफ्तारी दी थी। उस समय डा. पांडेय नाबालिग थे और पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने को लेकर दुविधा में थी क्योंकि कम आयु के होने के बावजूद वे अंग्रेजों का प्रखर प्रतिरोध कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं साइंस कालेज में पढ़ता था और बगल के ही आयुर्वेदिक कालेज में स्वर्गीय नारायण प्रसाद अवस्थी की दानशीलता की कहानियां सुनने में आती थीं। उन्होंने अपनी मालगुजारी के पांच गांव दान में दे दिये। उन्होंने दानशीलता की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ोत्तरी के लिए और आयुर्वेद की उन्नति के लिए यह कार्य किया। शिक्षा के प्रसार के लिए किया गया कोई भी कार्य बहुत सार्थक होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि धन संग्रह तभी सार्थक है जब इसका उपयोग विद्या के प्रसार में किया जाए। आज हम इस महाविद्यालय प्रांगण में हैं और आयुर्वेद को बढ़ावा देने का इतना सुंदर कार्यक्रम यहां हो रहा है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने डॉ. पांडेय एवं अवस्थी के परिजनों से भेंट भी की। साथ ही उन्होंने राजीव गांधी आश्रय योजना के हितग्राहियों को पट्टा वितरण भी किया। इस मौके पर संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने भी अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक कालेज के माध्यम से हर दिन सैकड़ों लोगों का इलाज हो रहा है और वे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। डॉ. पांडेय यहां के प्राचार्य रहे और अवस्थी ने इसके लिए भूमि दान की। आज उनकी दानशीलता का लाभ सभी को मिल रहा है। हम उन्हें नमन करते हैं। कार्यक्रम को पूर्व विधायक वीरेंद्र पांडेय ने भी संबोधित किया।

इस मौके पर विधायक सत्यनारायण शर्मा, रायपुर महापौर एजाज ढेबर, राज्य गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास, नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे, कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे, नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीआर चतुर्वेदी, डॉ. संजय शुक्ला तथा अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय शुक्ला ने किया।

गोबर पेंट से सवा 6 करोड़ की आय

गौठानों में संचालित उद्यम से महिला समूहों को 182.49 करोड़ की आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौठानों से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों को अब विविध आयमूलक गतिविधियों के संचालन के साथ-साथ गोबर से प्राकृतिक पेंट के उत्पादन से भी अतिरिक्त आय होने लगी है। गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट, डिस्टेम्पर और पुट्टी से महिला समूहों को अब तक 6 करोड़ 25 लाख रूपए की आय हुई है।

वर्तमान में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए गौठानों में 53 यूनिटें स्थापित की जा चुकी है, जिसमें से 51 यूनिटों में गोबर से प्राकृतिक पेंट उत्पादन किया जा रहा है। क्रियाशील यूनिटों के माध्यम से अब तक 2,76,935 लीटर प्राकृतिक पेंट, 1,17,425 लीटर डिस्टेम्पर तथा 14,405 किलो पुट्टी का उत्पादन किया गया है, जिसमें से 2,20,308 लीटर प्राकृतिक पेंट, 92,601 लीटर डिस्टेम्पर तथा 13,195 किलो पुट्टी के विक्रय से कुल 6 करोड़ 25 लाख एक हजार रुपए की आय हुई है। गौठानों में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 300 रूरल इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित किए गए हैं, जहां महिला समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों द्वारा विविध प्रकार की आयमूलक गतिविधियां संचालित की जा रही है। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गौठानों में वर्मी खाद का उत्पादन सामुदायिक बाड़ी से सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन, मछली, बकरी, मुर्गी पालन, पशुपालन, गोबर, दीया, गमला, अगरबत्ती तथा अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही है, जिससे महिला समूहों को आय हो रही है। गौठानों से 18,386 महिला स्व-सहायता समूह जुड़े हैं, जिनकी सदस्य संख्या 2,16,472 है। आयमूलक गतिविधियों से महिला समूहों 182 करोड़ 49 लाख रुपए की आय हो चुकी है।

मधुमक्खी और रेशम कीट पालकों को मिलेगा बिना ब्याज का ऋण

मधुमक्खी पालन और रेशम कीट पालन को कृषि का दर्जा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के परिपालन में कृषि विभाग मंत्रालय द्वारा राज्य में मधुमक्खी पालन और रेशम कीट पालन को कृषि का दर्जा दिए जाने के साथ ही इसके पालकों को बिना ब्याज के ऋण सुविधा उपलब्ध कराए जाने का आदेश जारी कर दिया गया है। कृषि विकास एवं कृषि कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत छत्तीसगढ़ में मधुमक्खी एवं रेशम कीट पालकों को संस्थागत अल्पकालीन एवं मध्यकालीन कृषि ऋण पर 'राज्य के कृषकों को सहकारी ऋणों पर ब्याज अनुदान नियम 2021' के आधार पर प्रदान किए जाएंगे।

गौरतलब है कि केन्द्र प्रवर्तित एकीकृत बागवानी मिशन अंतर्गत मधुमक्खी पालन की एक यूनिट की इकाई लागत 2.31 लाख रूपए निर्धारित की गई है, जिसमें हितग्राहियों को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। वित्तीय वर्ष में एकीकृत बागवानी मिशन के तहत मधुमक्खी पालन के लक्ष्यों की शतप्रतिशत पूर्ति होने की दशा में लंबित आवेदनों को निर्धारित ऋणमान के अनुसार बैंक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा अल्पकालीन कृषि ऋण दिया जाएगा। मधुमक्खी पालको को बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से प्राप्त ऋण पर राज्य के कृषकों को सहकारी ऋणों पर ब्याज अनुदान नियम 2021 के अंतर्गत सहकारिता एवं वित्त विभाग के द्वारा वहन किया जायेगा। देय ब्याज अनुदान की अधिकतम सीमा मुख्य योजना के समान होगी।

इसी तरह रेशम कीट पालकों को संस्थागत मध्यकालीन कृषि ऋण पर ब्याज अनुदान तथा राज्य के किसानों के समान विद्युत प्रभार में अनुदान मिलेगा। जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि भारत सरकार द्वारा संचालित सिल्क समग्र-2 योजना के तहत रेशम कीट पालन करने वाले लघु एवं सीमांत श्रेणी के किसानों को केन्द्रांश और राज्यांश को मिलाकर कुल 90 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों को 70 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

शहतूत पौधों पर रेशम कीट पालन हेतु प्रति एकड़ लागत 5 लाख रुपए ऋणमान के आधार पर ऋण स्वीकृति दी जाएगी। निर्धारित ऋणमान में सिल्क समग्र-2 में देय अनुदान के अतिरिक्त कृषक श्रेणीवार हितग्राही अंश को बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से संस्थागत ऋण कृषि फसलों के भांति शून्य प्रतिशत ब्याज के रूप मध्यकालीन कृषि ऋण के रूप में स्वीकृत किया जायेगा। वित्तीय वर्ष में सिल्क समग्र-2 योजना के तहत प्रदेश को प्रदायित लक्ष्यों की शतप्रतिशत पूर्ति होने की दशा में लंबित आवेदनों को निर्धारित ऋणमान के अनुसार बैंक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा मध्यकालीन कृषि ऋण की सुविधा दी जाएगी और प्राप्त ऋण पर 03 वर्षो तक वित्त पोषण राज्य के कृषको को सहकारी ऋणों पर ब्याज अनुदान नियम 2021 के अंतर्गत सहकारिता एवं वित्त विभाग के द्वारा वहन किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ कुक्कुट पालन प्रोत्साहन योजना के लिए आकस्मिकता निधि से 1 करोड़ की मंजूरी

कुक्कुट इकाई लागत के अनुसार स्थायी पूंजी निवेश पर 25 से 40 प्रतिशत अनुदान

कुक्कुट पालकों को बिना ब्याज 3 लाख रुपए तक का ऋण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के परिपालन में पशुधन विकास विभाग मंत्रालय द्वारा प्रदेश में कुक्कुट पालन को प्रोत्साहित करने, रोजगार और स्वरोजगार के नये अवसर सृजित किए जाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कुक्कुट पालन प्रोत्साहन योजना प्रारंभ किए जाने का आदेश जारी कर दिया गया है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए फिलहाल विभाग द्वारा आकस्मिकता निधि से 01 करोड़ रुपए अग्रिम रूप से स्वीकृत किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ कुक्कुट पालन प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कुक्कुट पालकों को क्षेत्रवार एवं वर्गवार इकाई लागत के अनुसार स्थायी पूंजी निवेश पर 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत तक अनुदान दिए जाने का प्रावधान किया गया है। नाबार्ड के अनुसार कुक्कुट ब्रायलर अथवा देशी कुक्कुट या रंगीन कुक्कुट की प्रति इकाई लागत अनुसार स्थायी पूंजी निवेश 2.86 लाख रूपए तथा कुक्कुट लेयर अथवा पेरेंट कुक्कुट की प्रति इकाई की लागत अनुसार स्थायी पूंजी निवेश 3.70 लाख रुपए है। प्रति इकाई में कुक्कुट की संख्या एक हजार निर्धारित है। योजना के अनुसार राज्य के अ श्रेणी के क्षेत्र में सामान्य वर्ग के हितग्राही को 25 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति, जनजाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हितग्राहियों को अधिकतम 30 प्रतिशत अनुदान की पात्रता होगी। अ श्रेणी के क्षेत्र में यदि कोई हितग्राही 2.86 लाख रूपए का स्थायी पूंजी निवेश कर कुक्कुट पालन की इकाई स्थापित करता है तो उसे अधिकतम 72 हजार रूपए का अनुदान मिलेगा, जबकि अनुसूचित जाति, जनजाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हितग्राही को एक इकाई की स्थापना पर अधिकतम 86 हजार रूपए का अनुदान देय होगा। इसी तरह ब श्रेणी के क्षेत्र में सामान्य श्रेणी के हितग्राही को 35 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति, जनजाति तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हितग्राही को अधिकतम 40 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। नाबार्ड के अनुसार कुक्कुट लेयर इकाई अथवा पेरेंट कुक्कुट इकाई लागत अनुसार 3.70 लाख रूप के स्थायी पूंजी निवेश पर अ श्रेणी के क्षेत्रवाले सामान्य वर्ग के हितग्राही को 25 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हितग्राही को 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, जबकि ब श्रेणी क्षेत्र के सामान्य वर्ग के हितग्राही को 35 प्रतिशत और अनुसूचित जाति, जनजाति तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हितग्राही को अधिकतम 40 प्रतिशत अनुदान देय होगा। अ श्रेणी के तहत राज्य के विकसित एवं विकासशील विकासखण्डों को शामिल किया गया है, जबकि ब श्रेणी क्षेत्र में पिछड़े विकासखण्ड शामिल है।

छत्तीसगढ़ कुक्कुट पालन प्रोत्साहन योजना के तहत स्थायी पूंजी निवेश अनुदान की अधिकतम सीमा 10 हजार कुक्कुट इकाई स्थापना हेतु क्षेत्रवार एवं वर्गवार 7.20 लाख रूपए से लेकर 14.80 लाख रूपए प्रावधानित है। योजना अंतर्गत स्व-वित्तीय एवं बैंक ऋण से व्यावसाय इकाई की स्थापना पर 5 वर्ष के लिए स्थायी पूंजी निवेश अनुदान दिया जाएगा। यह अनुदान इकाई के क्रियाशील होने पर भौतिक सत्यापन पश्चात पांच किश्तों में देय होगी।

यहां यह उल्लेखनीय है कि पशुपालन को उद्यमिता के रूप में विकसित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कुक्कुट पालन का महत्व रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 8 लाख परिवार कुक्कुट पालन करते हैं, जिनके पास 187.12 लाख पक्षीधन है। राज्य में लगभग 7522 क्रियाशील ब्रायलर तथा 167 लेयर इकाइयां स्थापित है। व्यावसायिक इकाइयों में 136.03 लाख कुक्कुट पाले जा रहे हैं। कुक्कुट पालन व्यवसायिक गतिविधियों में प्रत्यक्ष रूप से 2 लाख तथा अप्रत्यक्ष रूप से 14 लाख छोटे बड़े व्यवसायी जुड़े हुए हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

पैर में मोच आने पर आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा समस्या से छुटकारा

पैर में मोच आना एक तरह की अंदरूनी चोट है। इसमें पैर के ऊतक और हड्डियों से जुड़े रेशे अपनी नियमित क्षमता से अधिक खिंच जाते हैं।ऐसा अमूमन चलते-फिरते या फिर खेलकूद के दौरान पैर मुड जाने पर होता है। इसके कारण असहनीय दर्द और सूजन का सामना करना पड़ सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जो पैर की मोच के कारण होने वाली समस्याओं को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं।

इलास्टिक पट्टी लपेटें

जब भी आपके किसी पैर में मोच आए तो पहले 72 घंटों में पर्याप्त आराम जरूर करें। आप चाहें तो इस दौरान प्रभावित पैर को इलास्टिक पट्टी से लपेटकर या ब्रेस पहन सकते हैं और उसकी सुरक्षा कर सकते हैं। ध्यान रखें कि पट्टी आरामदायक और टाइट लगे, लेकिन इतना टाइट नहीं कि इससे रक्त की आपूर्ति बंद हो जाए। इसे तब तक दोहराएं जब तक कि आपके पैर को अच्छा सहारा और आराम महसूस न हो जाए।

आइसपैक का करें उपयोग

आइसपैक लगाने से प्रभावित पैर के दर्द और सूजन को कम करने समेत मांसपेशियों की ऐंठन को कम करने में मदद मिल सकती है। लाभ के लिए आप तौलिए में कुछ बर्फ के टुकड़ों को लपेटकर प्रभावित पैर पर फेरे। आप चाहें तो बर्फ के ठंडे पानी में एक तौलिया डुबोकर चोट वाली जगह पर रख भी सकते हैं। यहां जानिए घर पर आइसपैक बनाने के 5 सरल तरीके।

जैतून के तेल से करें मालिश

जैतून के तेल में फेनोलिक कंपाउंड मौजूद होते हैं, जो पैरों में आई मोच के कारण होने वाले दर्द और सूजन को दूर कर सकते हैं।लाभ के लिए सबसे पहले जैतून के तेल को हल्का गर्म कर लें और फिर इसे मोच से प्रभावित पैर पर लगाकर कुछ मिनट धीरे-धीरे मालिश करें। इससे पैर की मांसपेशियों को आराम मिलता है और दर्द के साथ-साथ सूजन भी दूर होती है।

सेंधा नमक भी है प्रभावी

सेंधा नमक का उपयोग भी पैर की मोच को ठीक करने में मदद कर सकता है। इसका कारण है कि सेंधा नमक में मैग्नीशियम और सल्फेट जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो दर्द और सूजन निवारक की तरह काम कर सकते हैं। लाभ के लिए एक बाल्टी में गुनगुना पानी भरकर उसमें आधा कप सेंधा नमक मिलाएं। अब पैरों को करीब 20-30 मिनट तक इस पानी में डालकर रखें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

हल्के व्यायाम करें

पैर में मोच आने के बाद व्यायाम करना कोई आसान काम नहीं है। हालांकि, कुछ दिनो के आराम के बाद हल्के व्यायाम से स्थिति में सुधार हो सकता है। अगर आपकी मोच हल्की है तो आप पैर पर वजन डालना शुरू कर सकते हैं, लेकिन अगर यह गंभीर है तो आपकी गतिशीलता कम से कम 5-6 सप्ताह तक प्रभावित हो सकती है और इस पर किसी भी तरह का वजन डालने से बचें।

कमर के लोअर पार्ट में अक्सर रहता है दर्द, तो हो सकते हैं इन बीमारियों के संकेत, हल्के में बिल्कुल न लें

कई लोगों ऐसे हैं जिन्हें अक्सर कमर के लोअर बॉडी पार्ट में दर्द रहता है। कुछ लोग यह समझ के इस दर्द को टाल देते हैं कि यह सोने की वजह से हो गया है तो यह अपने आप ठीक हो जाएगा। लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि कई बार यह मामूली सा दिखने वाला दर्द गंभीर रूप ले सकता है। और आपके काम में बाधा डाल सकता है। ऐसे दर्द को आपको नजरअंदाज करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि यह दर्द कई बीमारियों के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। आइए जानें इन बीमारियों के बारे में सबकुछ।

कमर के निचले हिस्से में दर्द के कारण

डिस्क में गड़बड़ी

डिस्क यानि रीढ़ की हड्डियों के बीच कुशन की तरह रहती है। जब डिस्क के अंदर का कार्टिलेज जब ऊभर जाता है तो यह टूट सकता है। तो यह तंत्रिका पर दबाव डालता है। ऊभरी हुई या फटी हुई डिस्क पीठ दर्द का कारण होती है। जब आपको लगातार दर्द हो रहा है तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं। आप एक्सरे, सीटी स्कैन या एमआरआई के जरिए भी पता लगा सकते हैं।

अर्थराइटिस

अर्थराइटिस की बीमारी में भी कई बार कमर के लोअर पार्ट में दर्द होता है। गठिया के कारण रीढ़ की हड्डी सिकुड़ने लगता है। इस सिचवेशन को स्पाइनल स्टेनोसिस इस तरह के दर्द आपको लगातार परेशान कर सकते हैं। ऐसे में बिना समय गवाएं आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

ऑस्टियोपोरोसिस

ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी में भी कमर के लोअर बॉडी पार्ट में काफी ज्यादा दर्द रहता है। इस बीमारी में हड्डी धीरे-धीरे खोखली होने लगती है। जिसके कारण तेज दर्द होता है। हड्डियां खोखली हो जाती है। ऐसी खराब स्थिति में डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस

एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की बीमारी में स्पोंडिलोआर्थराइटिस भी कहा जाता है। इसमें रीढ़ की हड्डी में सूजन होने लगता है। और सूजन के कारण वह दूसरी हड्डी से टच होने लगता है। यह सब की वजह से रीढ़ की हड्डी कम फ्लेक्सिबल होती है। और यही दर्द का कारण बनती है।

वाणी कपूर ने बॉलीवुड में अपने उतार-चढ़ाव को लेकर की अपने दिल की बात

वाणी कपूर ने बॉलीवुड में अपने उतार-चढ़ाव पर दिल खोलकर बात की। वाणी कपूर को उनकी एक्टिंग के लिए हमेशा सराहा गया है। उन्होंने अपनी फिल्मों के मामले में चयनात्मक रुख अपनाया है, लेकिन हर प्रोजेक्ट में उन्होंने अपना सब कुछ दिया है, जैसे शुद्ध देसी रोमांस, बेफिक्रे, वॉर, चंडीगढ़ करे आशिकी आदि। अपने उतार-चढ़ाव के बावजूद, वाणी ऐसी शख्स हैं जो राडार के नीचे रहना चाहती है। अभिनेत्री अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में अपने दिल की बात बताती हैं।

वह कहती हैं, चाहे वह एक छोटे शहर की लड़की की भूमिका निभाना हो या एक शहरी तेजतर्रार परसियन की भूमिका निभाना हो या एक ट्रांस लड़की की भूमिका निभाना हो.. एक शॉट को सही करने के लिए घंटों तक झूले के खंभे पर उल्टा लटकना, टैंगो और हिप हॉप सीखने के लिए हर दिन 8 घंटे अभ्यास करना और डेब्यू के बाद उस एक अच्छी भूमिका के लिए वर्षों तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करना।

वाणी आगे कहती हैं, कई ऑडिशन देने के बाद, उनमें से कुछ में मैं सफल हो गई और कुछ में मैं कमरे में पहुंचने से पहले ही असफल हो गई... जिन सभी चीजों में मैं सफल हुई या बुरी तरह से असफल रही, उनके पीछे एक शर्मीला, अंतर्मुखी और अस्पष्ट रूप से सामाजिक रूप से अजीब व्यवहार है। वह लड़की जो अपना सिर नीचे रखती है और अपने सपनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहती है।

अभिनेत्री आगे कहती हैं, अपनी असफलताओं (जिन्हें हमेशा दुनिया देखती है और जिन पर राय रखती है), कई अस्वीकृतियों, दिल टूटने, रातों की नींद हराम करने और अथाह चिंता से सीखते हुए, यह लड़की कोशिश करना बंद नहीं करेगी। लगातार काम कर रही हूं, और भी अधिक मेहनत कर रही हूं और अपने आशावाद को जीवित रखे हुए हूं! क्योंकि अंत में हमें बस इतना ही मिला है! हम स्वयं और हमारी मान्यताएं !! यह जानते हुए कि असफल होने का मतलब केवल यही है कि व्यक्ति में प्रयास करने का साहस है।

वाणी आगे लिखती हैं, असफल होने का डर, ट्रोलिंग का डर (जिसका मैंने बहुत सामना किया है) आलोचना या अस्वीकृति का डर खुद का समर्थन करने का साहस न होने के डर की तुलना में कुछ भी नहीं है। तो मेरे अंदर की छोटी लड़की इसे हमेशा एक मूक प्रार्थना की तरह कहेगी 'अगर देर-सबेर नहीं, लेकिन अंत में..अच्छे लोगों के साथ अच्छी चीजें होती हैं' और 'केवल वे ही सफल होते हैं जिनमें विश्वास करने का साहस होता है' काम के मोर्चे पर वाणी दो विविध परियोजनाओं-मैडॉक फिल्म्स, सर्वगुण संपन्न, और यश राज फिल्म्स ओटीटी शो, एक क्राइम थ्रिलर, मंडला मर्डर्स में दिखाई देंगी।

रशिम देसाई ने पूल किनारे ढाया कहर बिखेरे कातिलाना अदाओं के जलवे

टीवी एक्ट्रेस रशिम देसाई एक लंबा वक्त इंडस्ट्री में बिता चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने घर-घर में अपनी एक खास जगह बना ली है। आज कोई रशिम की अदाओं पर फिदा है, तो कोई उनकी अदाकारी का दीवाना है। ऐसे में एक्ट्रेस किसी न किसी कारण लगातार खबरों में बनी ही रहती हैं। फिलहाल तो रशिम अपने नए फोटोशूट के कारण सबका ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं।

लेटेस्ट फोटोज के लिए रशिम देसाई ने व्हाइट-येलो चेक प्रिंट वाला ब्रॉडनेक क्रॉप कैरी किया है। इसे उन्होंने ग्रीन पैंट के साथ पेयरअप किया है। एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और न्यूड स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है।

रशिम ने इस लुक के साथ अपने हाफ बालों का हाई बनाया हुआ है। वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर उन्होंनें एक हाथ में ब्रेसलेट और गले में टू लेयर्ड चेन पहनी है। रशिम इस लुक में भी बहुत गॉर्जियस लग रही हैं। उन्होंने अपना स्टाइलिश अवतार कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करते हुए एक से एक किलर पोज दिए हैं। अब फैंस के बीच उनका ये नया फोटोशूट भी काफी वायरल होने लगा है। यूजर्स ने उन्हें खूबसूरत और क्यूट बताते हुए कई कमेंट्स भी किए हैं।

दूसरी ओर रशिम के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय वह मिशन लैला टाइटल से बन रही हिन्दी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा रशिम के पास मॉम ताने ना समजे गुजराती और चंबे दी बूटी टाइटल से बनने वाली पंजाबी फिल्मों की तैयारी में भी व्यस्त चल रही हैं। रशिम के चाहने वाले उन्हें फिर पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

परिवहन मंत्री अकबर ने राज्य का पहला पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्र का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में 15 साल पुरानी गाड़ी को बेचने के लिए अब आपको भटकना नहीं पड़ेगा। इसे आप स्क्रैप सेंटर पर दे सकेंगे। परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज गुरुवार को रायपुर जिले के अंतर्गत ग्राम धनेली में स्क्रैपिंग सेंटर का उद्घाटन किया। गौरतलब है कि शासकीय विभाग के 15 वर्ष से पुरानी सभी गाड़ियो को भी आवश्यक रूप से स्क्रैप करने का निर्णय लिया जा चुका है। छत्तीसगढ़ में यह पहला स्क्रैपिंग सेंटर खोला गया है।

इस दौरान परिवहन मंत्री श्री अकबर ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के लिए वाहन स्क्रैपिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे हैं, स्क्रैपिंग की सुविधा को बढ़ावा देने के लिए इस सेंटर को पूरी तरह डिजिटलीकृत किया गया है। छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2019-24 के तहत पंजीकृत व्हीकल स्क्रैपिंग सेंटर (आरवीएसएफ) को उच्च प्राथमिकता वाले उद्योगों की श्रेणी में रखने हेतु अधिसूचना जारी की गई है। राज्य में स्थापित होने वाले आरवीएसएफ भी उच्च प्राथमिकता वाले उद्योग हेतु निर्धारित छूट का लाभ ले सकते हैं। इस सेंटर का संचालन मेटल कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया के द्वारा किया जाएगा। परिवहन मंत्री अकबर ने बताया कि पंजीकृत स्क्रैपिंग सेंटर से गाड़ी को स्क्रैप कराने के बाद नये गाड़ी ख़रीदने के लिए टैक्स में 25 प्रतिशत छूट का लाभ दिया जाएगा। छूट के लिए पंजीकृत स्क्रैपिंग सेंटर के द्वारा ऑनलाइन सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा, जिससे सर्टिफिकेट ऑफ़ डिपोजिट कहा जाएगा। सर्टिफिकेट ऑफ़ डिपोजिट ऑनलाइन जारी किया जाएगा, जो परिवहन विभाग के वाहन सॉफ्टवेर में प्रदर्शित होगा और संपूर्ण छत्तीसगढ़ के सभी ऑटोमोबाइल डीलरशिप में मान्य होगा। इसके अतिरिक्त मासिक या त्रैमासिक कर देने वाली ऐसी गाड़िया जिनका टैक्स बकाया है और स्क्रैपिंग कराना चाहते है, उन्हें भी गाड़ी में बकाया पिछले एक साल के टैक्स, पैनल्टी और ब्याज में छूट दी जाएगी। धातु को ब्लॉकों में बदलने के लिए बेल प्रेस मशीन का उपयोग किया जाता है, जिसे बाद में विभिन्न कंपनियों को आपूर्ति की जाती है। वहीं कार के अन्य घटकों को पुनर्नवीनीकरण किया जाता है और इन्हे निजी कंपनियों को बेच दिया जाता है। कार्यक्रम में परिवहन सचिव एस. प्रकाश ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ में सतत विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन है। इस नई स्क्रैपेज सुविधा के उद्घाटन के साथ, हम अपने परिवहन क्षेत्र के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। यह सुविधा न केवल पुराने वाहनों के स्क्रैपिंग के लिए एक सुविधाजनक और सुरक्षित माध्यम प्रदान करती है बल्कि परिवहन के लिए नयी टेक्नोलॉजी के साथ क्लीन और अधिक कुशल गाड़ियों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित करती है।

इस परियोजना को साकार करने में शामिल सभी पक्षों की प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं, साथ ही अपने नागरिकों से स्वच्छ और हरित भविष्य की खोज में हमारे साथ एकजुट होने का आग्रह करते हैं।

स्क्रैपिंग का प्रॉसेस क्या है?

जब कोई वाहन स्क्रैप सेंटर में पहुंच जाता है, तो उसे वैज्ञानिक तरीके से नष्ट कर दिया जाता है। अलग-अलग चरणों की बात करें तो स्टेशन पर टायर और इंजन किट हटा दिए जाते हैं। अगले चरण में बैटरियों और फ्री-ऑन गैस किटों को नष्ट कर दिया जाता है। उसके बाद वाहन की सीटें, स्टीयरिंग, इंजन और रेडिएटर हटा दिए जाते हैं, जिससे धातु से बना एक खोखला ढांचा रह जाता है। इस संबंध में परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा ने बताया कि पुराने वाहनों के संचालन में ईंधन व रखरखाव पर ज्यादा लागत आती है। ऐसे पुराने वाहनों के सड़क से हटने पर वायु प्रदूषण में कमी आएगी। प्रदेश में विभाग द्वारा इसे लागू करने की तैयारी कर ली गई है। 15 साल से अधिक पुराने सरकारी वाहनों को अक्टूबर से अनिवार्य रूप से स्क्रैप कराना होगा। समस्त श्रेणी के भारी वाहनों को हर दो साल में स्वचालित परीक्षण केंद्र से ही फिटनेस टेस्ट कराना होगा।

तम्बाकू नियंत्रण पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तम्बाकू नियंत्रण की नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभावी तरीके से लागू करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आज राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग, आबकारी विभाग, पुलिस विभाग, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग तथा अन्य विभागों के राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

राज्य तंबाकू नियंत्रण इकाई छत्तीसगढ़ एवं ब्लूमबर्ग परियोजना छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में तम्बाकू नियंत्रण से संबंधित नीतियों व कार्यक्रमों को भविष्य में और अधिक प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए कार्यशाला में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला में तम्बाकू नियंत्रण से जुड़े अधिकारियों को कोटपा एक्ट 2003 एवं कोटपा छत्तीसगढ़ (संशोधन) एक्ट 2021 एवं ई सिगरेट प्रतिबंध एक्ट 2019 के प्रावधानों की जानकारी देकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन ने बताया कि तम्बाकू की लत छुड़ाने के लिए सभी जिला चिकित्सालयों में तम्बाकू नशा मुक्ति केंद्र संचालित हैं। राज्य की कुल 39.10 प्रतिशत आबादी तम्बाकू का उपयोग करती है। इससे कैंसर और अन्य गम्भीर बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि ना सिर्फ धूम्रपान करने वाला व्यक्ति बल्कि धूम्रपान नहीं करने वाले व्यक्ति को भी गंभीर बीमारियों का खतरा रहता है। इसलिए हमें टीसीसी सेंटर (तंबाकू नशामुक्ति केन्द्र) में बेहतर काउंसिलिंग करने, वहां आने वाले लोगों का लगातार फॉलोअप करने और उनके परिवार के लोगों को भी तंबाकू की लत को छोड़ने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। राज्य के विभिन्न जिलों से उपस्थित हुए प्रतिभागियों से लोगों को तंबाकू का सेवन नहीं करने के लिए जागरूक करने और उन्हें तंबाकू के सेवन को छोड़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया, ताकि राज्य में तंबाकू सेवन छोड़ने वालों की संख्या बढ़ सके। द यूनियन संस्था के वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार डॉ. अमित यादव ने छत्तीसगढ़ में ब्लूमबर्ग पहल परियोजना कार्यान्वयन पर तम्बाकू विज्ञापन और सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी के उल्लंघन पर कार्रवाई और इसमें आने वाली चुनौतियों पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राज्य में द यूनियन एवं पहल फाउंडेशन के माध्यम से टोबेको मॉनिटर एप का संचालन किया जा रहा है। कार्यशाला में उपेन्द्र कुमार, मुकेश कुमार, आशीष सिंह, ख्याति जैन और विभिन्न विभागों के राज्य एवं जिला स्तरीय नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

खुबसुरत रंगो से बनी रंगोली व मटकी फोड़ प्रतियोगिता हुई सम्पन्न

कोरबा। महाराजा अग्रसेन जंयती के अवसर पर अयोजित प्रतियोगिताओ का महाकुंभ में अग्रवाल महिला मंडल के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताऔ के तहत श्री अग्रसेन कन्या महाविद्याल व अग्रसेन भवन में प्रतियोगिता का अयोजन किया गया । अग्रवाल महिला मडल के द्वारा दिनांक 04.10.2023 को डांस(युगल नृत्य) आयोजन किय गया जिसमें महिलाओं के द्वारा काफी उत्साह दिखाई दिया यह प्रतियोगिता दो वर्ग में अयोजित कि गई थी जिसमें वर्ग अ में कक्षा 6 वीं से उपर की बालिकाओं हेतु व वर्ग ब सभी महिलाओं के लिए अयोजित थी इस प्रतियोगिता में 11 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया दिनांक 05.10.2023 को अग्रसेन भवन में रंगोली प्रतियोगिता का अयोजन किय गया यह प्रतियोगिता 14 वर्ष के उपर के बालक एव महिलाओं के लिए अयोजित कि गई थी इस प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया । जहां रंगों से खुबसूरत रंगोली का निर्माण किया गया इसके साथ ही अग्रवाल महिला मंडल द्वारा मटकी फोड प्रतियोगिता का अयोजन भी किया गया इसमें 80 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें महिलाओं में काफी उत्साह देखने को मिला है । अग्रवाल महिला मंडल कि अध्यक्ष श्रीमति आभा अग्रवाल ने जानकरी देते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का अयोजन किया जा रहा है प्रतियोगिता काफी रोचक हो रही है जिसमें अग्रवाल समाज कि सभी महिलाऐं ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होये ।

गढ़बो भविष्य : बालोद में प्लेसमेंट कैंप का हुआ आयोजन

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय बालोद के महादेव भवन गंजपारा में 04 अक्टूबर 2023 को 'गढ़बो भविष्य' कार्यक्रम के तहत प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट कैंप में 06 कंपनियों एसआईएसएस, एलआईसी, नवा किसान बॉयो प्लान्टेक, दक्ष कंसलटेंसी, वेक्टर फइनेंश प्रायवेट लिमिटेड, एसआर हॉस्पिटल भिलाई द्वारा विभिन्न पदों पर कांउसलिंग की गई। कौशल विकास प्राधिकरण के सहायक संचालक विकास देशमुख ने बताया कि नियोजक कंपनियों द्वारा कांउसलिंग में 225 युवाओं का विभिन्न पदों पर चयन किया गया तथा उन्हें जॉब ऑफर लेटर प्रदान किया गया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुआ कहा कि जिला प्रशासन की इस पहल से आप सभी युवाओं को नियोजक कंपनियों द्वारा जॉब ऑफर हुआ है, इसके लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी अपने बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए मिल रहे जॉब में पूरी मेहनत और लगन के साथ कार्य करें और सुनहरे भविष्य का निर्माण करें। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राची ठाकुर, जनपद पंचायत बालोद के सीईओ पीताम्बर यादव, जिला रोजगार कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

योग आयोग द्वारा 50 वें निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ योग आयोग के नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत राजनांदगांव जिले के बहुउद्देशीय भवन, लाल बहादुर नगर में 50 वें नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास केन्द्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य और अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री दलेश्वर साहू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

योगाभ्यास केंद्र का संचालन योग प्रशिक्षक श्री नेत राम निषाद द्वारा प्रतिदिन प्रात: 06 बजे से 07.30 बजे तक बहुउद्देशीय भवन, लाल बहादुर नगर में किया जाएगा। ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि शहरी परिवेश के साथ-साथ ग्रामीण अंचल के लोगों की दिनचर्या में भी परिवर्तन हो रहा है, इससे अनेक व्याधियाँ उत्पन्न हो रही हैं। इससे बचाव का सरल और सहज उपाय योग है। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा राज्य में आमजनों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए नि:शुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र प्रारंभ किया जा रहा है। दलेश्वर साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ योग आयोग राज्य के आमजनों को शारीरिक और मानसिक रूप स्वस्थ रखने का महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के अध्यक्ष श्री भावेश सिंह, छत्तीसगढ़ योग आयोग के सचिव श्री एम एल पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, योग साधकगण और बड़ी संख्या में नागरिक गण उपस्थित थे।

लगातार मेहनत से ही मिलती है सफलता - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। बाल प्रतिभाओं के सृजनात्मक कौशल को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय अविष्कार अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन गरियाबंद के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर आकाश छिकारा ने शामिल होकर विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता के सभी विधा का सूक्ष्मता के साथ निरीक्षण किया। साथ ही मॉडल से संबंधित अलग-अलग प्रश्न बच्चो से पूछे।

बच्चों ने भी कलेक्टर श्री छिकारा को रोचक अंदाज में जवाब दिए। प्रश्नों के विस्तार से जवाब पाकर कलेक्टर अभिभूत हो गए। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों के मॉडल, पुस्तक प्रदर्शनी, क्विज प्रतियोगिता, कबाड़ से जुगाड़ के नवाचारी गतिविधियों को देखकर खूब तारीफ़ किए। कलेक्टर ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सफलता का कोई सरल तरीका नहीं है। अथक और लगातार मेहनत करने से ही सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने के लिए उस भाषा का प्रयोग करें जिसमें आपकी दक्षता हो। रटने की आदत को छोड़कर समझने की प्रवृत्ति विकसित करें जो दीर्घकाल तक स्मृतिपटल पर अंकित रहता है। उन्होंने आगे कहा कि यथोचित सफलता प्राप्त करने के लिए अपने सोच और क्षमता को एक लेवल ऊपर रखकर मेहनत करें। शिक्षक समाज का दर्पण होता है। बच्चे अच्छे शिक्षक बनकर सभी वर्गों का सेवा कर सकते हैं। राष्ट्र निर्माण में सर्वस्व न्यौछावर करने का जज़्बा हमें सदैव आगे बढ़ाएगा। इस दौरान डीएमसी श्री खेल सिंह नायक सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं शिक्षकगण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान कार्यक्रम में आयोजित कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता में बच्चों ने पौधे की संरचना, चलित कागभगोड़ा, कोण पर आधारित टीएलएम, होलोग्राम ऊर्जा के विभिन्न रूपो के जीवंत प्रस्तुति ने सबको प्रभावित किया। क्विज प्रतियोगिता में विज्ञान, गणित, तकनीक के कठिन प्रश्नों का सरल जवाब देकर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मॉडल प्रदर्शनी में हीमोडायलिसिस, अम्ल क्षार लवण की अवधारणा, आईआर बेस्ड फील्ड सिक्योरिटी प्रोजेक्ट, चंद्रयान-3, आदित्य एल वन, एडवांस रोपवे, आर्मी सिक्योरिटी सिस्टम, वायरलेस पावर ट्रांसमिशन सिस्टम, नवीन तकनीक से सड़क दुर्घटना का नियंत्रण, ऑटो टर्न ऑफ वाटर स्विच आदि का चलित प्रदर्शन किया। पुस्तक प्रदर्शनी में भी बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का हो रहा विस्तार

उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने हमर क्लिनिक तथा रामपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर । उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने जिला प्रवास के दौरान जिलेवासियों को बड़ी सौगातें दीं। उन्होंने इस दौरान विभिन्न कार्यक्र मों शामिल होकर विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने लखनपुर में हमर क्लीनिक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर पंचायत में आज हमर क्लिनिक का उद्घाटन किया गया है, यहां एक एमबीबीएस डॉक्टर के साथ 04 अन्य स्टाफउपलब्ध होंगे।

लोगों को जांच के साथ 44 प्रकार की दवाइयां तथा पैथोलॉजी जांच की सुविधा मिलेगी। बड़ी बीमारियों के लिए टेस्ट हेतु बड़े अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं होगी, यहीं से सैंपल लेकर लैब में भेजा जाएगा और 24 घण्टे के भीतर रिपोर्ट मिल जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम रामपुर में छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 75 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का भी लोकार्पण किया। नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन हेतु उन्होंने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान उन्होंने अम्बिकापुर में बने नवनिर्मित जीएसटी कार्यालय भवन का फ़ीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पर कहा कि लोगों को जीएसटी रिटर्न भरने बाहर जाना पड़ता था, अब यह सुविधा यही उपलब्ध हो जाएगी, जिससे समय की बचत होगी। उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत 61.51 करोड़ रुपए की लागत के करजी एवं दरिमा समूह जल प्रदाय योजना, 16.25 करोड़ रुपए की लागत के खैरवार समूह जल प्रदाय योजना, 106.36 करोड़ रुपए की लागत के पोड़ीखुर्द एवं सलका समूह जल प्रदाय योजना और 54.94 करोड़ रुपए की लागत के देवीटीकरा समूह जल प्रदाय योजना का शिलान्यास किया।

वहीं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत श्याम घुनघुट्टा परियोजना की दायीं तट एवं बायीं तट नहर तथा लाइजनिंग कार्य लागत 8.15 करोड़ रुपए, 6.08 किमी लम्बाई की खैरवार मुख्य मार्ग बांकी डेम (बांसा तक) लागत 6.67 करोड़ रुपए, 0.90 किमी लंबाई की पीएमजीएसवाई सड़क आत्मा सिंह के घर से टाटी डंड पंडरी पानी बांध तक (वृहद पुल सहित) लागत 3.04 करोड़, 1.54 किमी लम्बाई की बिलासपुर एन एच मेन रोड में (फुटामुड़ा तालाब) में चिटकी पारा रोड लागत 2.87 करोड़ रुपए, 5.00 किमी की लम्बाई की सोहगा अटल चौक से घुनघुट्टा अमृत फिल्टर प्लांट से पी डब्ल्यू डी शेड जगदीशपुर, लागत 4.01 करोड़ रुपए की सड़क का शिलान्यास किया गया।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने ग्राम पंचायत लखनपुर के प्रस्तावित चयनित भूमि ग्राम टपरकेला में एवं अम्बिकापुर के ग्राम सरगंवा में नवीन 132/33 केव्ही उपकेन्द्र निर्माण हेतु भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इन दोनों विद्युत उपकेन्द्रों की स्थापना से लखनपुर, उदयपुर, अम्बिकापुर, लुण्ड्रा, दरिमा तथा बतौली विकासखण्ड के लगभग 1 लाख 20 हजार उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। टपरकेला उपकेंद्र की अनुमानित लागत 57 करोड़ रुपए एवं सरगवां उपकेन्द्र की अनुमानित लागत लगभग 60 करोड़ रुपए है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दो सब स्टेशन जो एक सपना सा था, आज शिलान्यास कर लिया गया है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

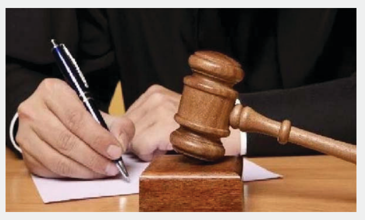

आटोमोबाइल संचालक की गोली मारकर हत्या करने वाले आरक्षक को उम्रकैद

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में साढ़े चार साल पहले पचपेड़ी नाका के पास दिनदहाड़े आटोमोबाइल संचालक संजय अग्रवाल की उसके केबिन में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोपित आरक्षक मनोज सेन को जिला कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है।

घटना के बाद पुलिस ने आरोपित आरक्षक को गिरफ्तार कर उसके पास से इंसास राइफल बरामद किया था। पूछताछ में आरोपित ने खराब कार को बनाकर नहीं देने पर आटोमोबाइल संचालक को गोली मारना स्वीकार किया था। लोक अभियोजक मनोज वर्मा ने बताया कि महासमुंद के शास्त्री चौक निवासी मनोज सेन (33) पुलिस लाइन रायपुर में आरक्षक के पद पर पदस्थ था। उसने पुराने वाहन की खरीदी बिक्री करने वाले पचपेड़ी नाका के पास संचालित सांई मोटर्स के संचालक संजय अग्रवाल से संपर्क किया।

बागबाहरा में भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

महासमुन्द (ए)। कलेक्टर प्रभात मलिक के निर्देशन एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी निधीश कोष्टी के मार्गदर्शन में 3 अक्टूबर को आबकारी विभाग जिला महासमुंद के वृत्त बागबाहरा में अवैध शराब के विरुद्ध दो आरोपियों पर कार्रवाई की गई। इनमें आबकारी दल द्वारा जांच के दौरान आरोपी शांतिलाल मल्होत्रा ग्राम भिलाईदादर, थाना -कोमाखान से 140 नग पाउच जेब्रा छाप मदिरा मात्रा 28 बल्क लीटर, 20 बॉटल किंगफिशर बीयर मात्रा 13 लीटर, 7 नग गोवा स्पेशल व्हिस्की पाव मात्रा 1.26 लीटर, 70 नग प्लेन पाव मात्रा 12.6 लीटर एवं 140 लीटर महुवा मदिरा बरामद की गई। आरोपी पर आबकारी अधिनियम धारा (34(2), 59(क), 36 के तहत कार्यवाही की गई। दूसरा आरोपी सतवंतिन मल्होत्रा/ बंशीलाल मल्होत्रा से 6.50 लीटर मदिरा जब्त किया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) के तहत कार्यवाही की गई।

मलेशियाई करेंसी बदलने के नाम पर लाखों की ठगी
शातिरों ने असली नोटों की जगह थमा दी कागज की गड्डियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई (ए)। सुपेला थाना क्षेत्र में ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। भिलाई तीन के रहने वाले एक शख्स से शातिरों ने मलेशियाई करेंसी बदलने के नाम पर 3 लाख 50 हजार रुपए की ठगी कर ली। दरअसल शातिरों ने पहले शख्स को मलेशिया की करेंसी 50 का नोट दिया। इसके बाद और करेंसी देने के नाम पर 3 लाख 50 हजार रुपए ठग लिए। इस मामले में सुपेला पुलिस ने शख्स की शिकायत के बाद तीन लोगों के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

इस मामले में भिलाई तीन जैन मंदिर के पास रहने वाले राजू जैन ने शिकायत दर्ज कराई है। राजू जैन ने अपनी शिकायत में बताया कि 23 सितंबर 23 शनिवार को तीन लोग उसकी दुकान राजहंस लेडिस वियर में पहुंचे और अंडरवियर दिखाने कहा। इस दौरान अंडरवियर खरीदकर 90 रुपए दिए। इस दौरान एक शख्स ने उसे मलेशिया की करेंसी 50 का नोट दिखाया और कहा कि उसके पास मलेशिया की करेंसी और भी है जिसे भारतीय रुपए में बदलना है। इसके बाद तीनों राजू जैन के पास 50 का नोट छोड़कर चले गए। तीनों ने अपना नाम क्रमशः अब्दुलरफ खान, साईफुल व आकाश मलिक बताया जो कि सुपेला गदा चौक के पास किराए के मकान में रहने की बात बताई। तीनों ने राजू जैन को अपना मोबाइल नंबर भी दिया।

उनके जाने के बाद राजू जैन ने मलेशिया की करेंसी को बदलवाने के लिए सुभाष चौक भिलाई तीन निवासी प्रमोद जैन से मिला। तब उसे पता चला कि मलेशियाई 50 के नोट की कीमत भारतीय मुद्रा में 800 रुपए से भी ज्यादा है। इस दौरान वह लालच में आ गया और नोट बदलवाकर कमीशन के चक्कर में तीनों से संपर्क किया। इसके बाद राजू जैन व प्रमोद जैन 26 सितंबर को गदा चौक के पास पहुंचे और तीनों से मिले। सामने वाले ने बैग में मलेशियाई करेंसी दिखाई। और उसमें से 8 नोट निकालकर दे दिए।

1660 नोट होने की बात बताई

तसल्ली होने के बाद तीनों ने बताया कि उनके पास ऐसे 1660 नोट होने की बात बताई। इसके बाद इनके बीच डील हो गई। राजू जैन व प्रमोद जैन ने नोट बदलवाने का समय तय कर लिया। इसके बाद 27 सितंबर को फिर से गदा चौक पहुंचे और अब्दुलरफ खान, साईफुल व आकाश मलिक उनसे मिले। दोपहर करीब 12:30 बजे तीनों पहुंचे और बैग दिखाया जिसमें नोटों की गड्डियां भरी हुई थी। उनमें से एक ने बैग से तीन नोट भी निकालकर दिखाए।

बैग में करेंसी की जगह कागज की गड्डियां

पूरी तरह से तसल्ली होने के बाद राजू जैन ने उन्हें 3 लाख 50,000 रुपए दे दिए और मलेशियाई नोटों से भरा बैग ले लिया। जब घर पहुंचकर शख्स ने बैग खोला तो हैरान रह गया। बैग में करेंसी की जगह कागज की गड्डियां भरी थी। इसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद लगातार तीनों से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन वे अपना मोबाइल नंबर बंद कर फरार हो चुके थे। इस मामले में शिकायत के बाद सुपेला पुलिस ने अब्दुलरफखान, साईफुल व आकाश मलिक के खिलाफधारा 420,34 तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पैरोल पर बाहर आया हत्या का आरोपी और कर दिया कांड, पुलिस ने चंद घंटों में पकड़कर भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के सुपेला थाना क्षेत्र में बुधवार की आधीरात को स्पर्श अस्ताल के पास हुई लूट के मामले में पुलिस ने चंद घंटों में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सुपेला पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद सक्रियता से काम किया और लूट के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पुलिस ने 341, 294, 506, 394, 34 के तहत कार्रवाई की है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 60 हजार रुपए की सोने की चेन बरामद कर ली है। लूटकांड का मास्टर माइंड हत्या का आरोपी है और पैरोल पर बाहर आया था।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राम नगर निवासी इन्द्रपाल सिंह बुधवार की आधीरात 12 बजे सुपेला से अपने घर जा रहा था। वह अभी स्पर्श अस्पताल सुपेला के पास पहुंचा था उसी दौरान आरोपी पृथ्वी, दयाल, शुभम एवं रोहित के द्वारा रास्ता रोककर धमकाते हुए

पैसे की मांग करने लगे। इस दौरान बदमाशों ने इन्द्रपाल सिंह की सोने की चेन लूट ली और भाग गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद सुपेला पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तत्काल संदेहियों का पता लगाया। इस दौरान संदेही दयाल प्रकाश यादव उर्फ राजू, शुभम गुप्ता उर्फ पेठा व पृथ्वी सिंह को राम नगर मुक्तिधाम तालाब के पास से घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपियों से पुछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी के पास सोने की चेन कीमती 60,000 रुपए पुलिस को जब्त किया। आरोपियों में से एक दयाल प्रकाश यादव उर्फ राजू हत्या के मामले में सजा काट रहा है और पैरोल में बाहर आया था। आरोपी के विरूद्ध पूर्व में भी कई मामले दर्ज है। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक दुर्गेश कुमार शर्मा थाना प्रभारी थाना सुपेला, उप निरीक्षक रजनीकांत दीवान, प्रधान आरक्षक संतोष शर्मा, आरक्षक रवि साव, सुरेन्द्र पटेल, सूर्यप्रताप सिंह, श्यामजी मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-6458/NIT-32/2023-2024/ व ले लि — दिनांक: 03/10/2023

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 12/10/2023 अपरान्ह 5:30 बजे तक

ठैकेदारी द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि:- 16/10/2023 अपरान्ह 5:30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि:- 17/10/2023 पूर्वान्ह 11:30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि(रू.में)
1	2	3
32 T0230	आमगॉव सुक माड़ाडीह मार्ग के सुक पुलिया के क्षतिग्रस्त भाग एवं पहुंच मार्ग एवं गातापार गोडमर्रा मार्ग के गोडमर्रा नाला पर स्थित पुलिया के क्षतिग्रस्त भाग एवं पहुंच मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	20.00 15000.00
32 T0231	देवकर स्थित सुरही नदी पर बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुराने पुल व पहुंच मार्ग एवं देवकर घोटा आलबांधा मार्ग के नवकेरा नाला स्थित पुल के क्षतिग्रस्त भाग एवं पहुंच मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	20.00 15000.00
32 T0232	मोतेसरा पहुंच मार्ग एवं क्षतिग्रस्त पुलिया का पुनर्निर्माण एवं सौंढ रेवे देवरबीजा मार्ग के किमी 21/2 से 22/10 क्षतिग्रस्त भाग का पुनर्निर्माण कार्य	20.00 15000.00
32 T0233	सौंढ रेवे देवरबीजा मार्ग के किमी 23/10 से 28/10 तक अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त भाग का पुनर्निर्माण कार्य	20.00 15000.00
32 T0234	देवकर साजा खम्हरिया मार्ग के किमी 6 /2 भोजेपारा के पास पुलिया के क्षतिग्रस्त भाग एवं पुलिया का पुनर्निर्माण का कार्य	20.00 15000.00
32 T0235	देवकर साजा खम्हरिया मार्ग के किमी 8/2-10, 15/2, 19/6, 30/4 पर स्थित पुलिया एवं क्षतिग्रस्त मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	20.00 15000.00
32 T0236	खपरी सिंघनपुरी उसलापुर मार्ग के सिंघनपुरी नाला स्थित पुलिया एवं क्षतिग्रस्त मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	20.00 15000.00
32 T0237	परपोड़ी रानो पेचानमेटा मार्ग के अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त पुलिया एवं पहुंच मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	15.92 15000.00
32 T0238	देवकर इगनिया मार्ग परपोड़ा लड्डी बाबा पहुंच मार्ग मोहभट्ठा खिसोरा मार्ग मे अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	19.96 15000.00
32 T0239	कोबिया बेरला अहिवारा मार्ग मे अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	20.00 15000.00
32 T0240	दुर्ग धमधा बेमेतरा मार्ग (SH) मे अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	20.00 15000.00
32 T0241	ओड़िया जाता दाढ़ी मार्ग के किमी 1/2 से 1/8 एवं किमी 4 से 9/2 मे अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य	19.92 13180.00
32 T0242	ओड़िया जाता दाढ़ी मार्ग के किमी 9/4 से 11/4 एव नवागढ़ बापुल कुरदा दाढ़ी मार्ग किमी 10/2 से 12/8 मे अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत कार्य	20.00 15000.00
32 T0243	चंदखुरी मारो सम्बलपुर नवागढ़ दाढ़ी मार्ग के किमी 52/8 से 62/6 मे अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत कार्य	19.95 15000.00
32 T0244	चंदखुरी मारो संबलपुर मार्ग 62/8 से 69/2 एवं छिरफी बेरा मरतरा खड़सरा 4/2 से 8/10 अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत कार्य	19.98 15000.00
32 T0245	बिरमपुर ठेंगाभाट मार्ग किमी 1/2 से 3/10 एवं सुरकी रिसामली 1/2 से 4/6 अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत कार्य	19.94 15000.00
32 T0246	कोदवा सलकघाट बहरबोड़ मार्ग किमी 1/2 से 6/4 एवं दाढ़ी पचभैया आमचो मार्ग किमी 5/2 से 7/10 अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत कार्य	20.00 15000.00
32 T0247	चंदखुरी मारो संबलपुर नवागढ़ उमरिया मार्ग 7/2-10, 11/2-8, 14/4-10 अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत कार्य	19.84 15000.00
32 T0248	नांदघाट मुंगेली मार्ग के किमी 2/2-8, 6/4-10, 9/6-10 अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत कार्य	19.96 15000.00

निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

जी-06005/6

लूटपाट के बाद युवक की हत्या 13 साल बाद आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। 13 वर्षों से फरार हत्या के आरोपी को रायपुर की क्राइम ब्रांच टीम ने गुरुवार को पकड़ा है। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में हत्या करने के बाद वह रायपुर में अलग-अलग स्थान में रह रहा था। जानकारी के अनुसार आरोपी मनोज सिंह टिकरापारा इलाके में रहकर काम कर रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर मध्य प्रदेश की टीम से संपर्क किया है। आरोपी के खिलाफ बलवा, हत्या का प्रयास और हत्या सहित गंभीर आरोप है।

क्राइम ब्रांच ने रायपुर से आरोपी को दबोचा

रायपुर क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश पुलिस से सूचना प्राप्त हुई थी कि आरोपी रायपुर में रहा है। आरोपित पर हत्या, बलवा, हत्या का प्रयास, बलवा सहित गंभीर आरोपों के तहत केस दर्ज है। इसके बाद से पुलिस ने मुखबिर लगाया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार आरोपी यहां अपने परिवार के साथ टिकरापारा क्षेत्र में रह रहा था। वह ट्रांसपोर्ट में काम करता था।

पुलिस के मुताबिक मध्यप्रदेश के बरहवाटोला बरगवो में वर्ष 2010 में एक युवक की लूटपाट के बाद हत्या कर दी गई

थी। इसमें अन्य आरोपितों के साथ मनोज सिंह भी शामिल था। मनोज वहां से फरार हो गया। बाकी आरोपित पकड़े गए। आरोपित मनोज अपने रिश्तेदारों के पास रायपुर आ गया। रायपुर में अपने रिश्तेदार के ट्रांसपोर्ट कंपनी में काम करने लगा। पिछले 13 साल से उसी के यहां रह रहा था। कुछ दिन पहले रायपुर पुलिस को मनोज के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) की टीम को लगाया गया था। टीम ने जानकारी जुटाने के बाद गुरुवार की शाम मनोज को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू कर दी। देर रात तक पुलिस उससे पूछताछ करती रही। हालांकि टीम ने पूरे मामले की जानकारी मध्यप्रदेश पुलिस को दे दी है। रायपुर एसीसीयू टीआई गिरीश तिवारी ने कहा, मामले की सूचना मिली थी। इसके बाद मनोज सिंह को पकड़ा गया है। पूरा मामला एमपी का है। वहां की पुलिस को जानकारी दी गई है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

:: ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना ::

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में **श्रेणी-डी** एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम - बेमेतरा जिले के अंतर्गत विकासखंड बेमेतरा, नवागढ़, साजा एवं बेरला के विभिन्न ग्रामों में 150 मि.मी. व्यास के 120 मीटर गहरे नलकूप खनन कर हैण्डपम्प स्थापना का कार्य दिये गये शेड्यूल अनुसार।

स. क्र.	सिस्टम नम्बर	निविदा सू.क्र.	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत
1	149048	184	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 10 nos Nos. Tube well At villages (Jewari, Kathautiya, Devgaon, Munarbod, Fari) in block Bemetara, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**11.80**
2	149058	185	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 11 nos Nos. Tube well At villages (Otebandh, Newaspur, Chamari, Bhothidih, Nawagaon, Padakidih) in block Bemetara, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**12.98**
3	149059	186	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 11 nos Nos. Tube well At villages (Chicholi, Ghatholi, Akoli, Tohadi, Manpur, Deori) in block Nawagarh, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**12.98**
4	149060	187	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 11 nos Nos. Tube well At villages (Hardi, Tilaipar, Mungway, Salheghori, Gidhwa, Kirta) in block Nawagarh, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**12.98**
5	149061	188	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 11 nos Nos. Tube well At villages (Badnara, Murta, Ghontha, Kaudiya, Dudhiya, Kunwa) in block Nawagarh, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**12.98**
6	149063	189	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 10 nos Nos. Tube well At villages (Somaikhurd, Kongiyakala, Somaikala, Bendarchuwa, Mohtara) in block Saja, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**11.80**
7	149064	190	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 9 nos Nos. Tube well At villages (Kopedabari, Parasbod, Sahaspur, Rano, Ghotwani, Ruse, Bargada) in block Saja, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**10.62**
8	149065	191	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 10 nos Nos. Tube well At villages (Bijagond, Navkesh, Sohagpur, Odiya, Chechanmeta, Tiriyabhat, Nawagaongahira, Gadadih, Patarjhori, Shyampurkampa) in block Saja, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**11.80**
9	149066	192	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 10 nos Nos. Tube well At villages (Borsi, Mudpar, Mudparkhurd, Bhilauri, Ufara) in block Berla, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**11.80**
10	149068	193	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 12 nos Nos. Tube well At villages (Sinwar, Atarghadhi, Singdehi, Pahanda, Gondgiri, Gudheli) in block Berla, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**14.16**
11	149069	194	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 12 nos Nos. Tube well At villages (Lawatara L, Hadgaon, Bahinga, Baherghat, Danganiya B, Keshdabari) in block Berla, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**14.16**
12	149074	195	Drilling of 150 mm dia, 120 mtr depth, 12 nos Nos. Tube well At villages (Sarda, Bhedni, Khisora, Patora, Lenjwara, Sorla, Parpoda, Silghat P, Kusmi) in block Berla, Under Jal Jeevan Mission in District Bemetara	**14.16**

1. बिड प्रारंभ की तिथि — 09.10.2023
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि — 16.10.2023

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल **http://eproc.cgstate.gov.in** में दिनांक **09.10.2023** से देखे जा सकते है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

जी-06029/6

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

जिला अस्पताल में निजी एम्बुलेंस के प्रवेश पर की गई कार्यवाही

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग अस्पताल परिसर मे निजी अस्पतालों की एम्बुलेंस आये दिन परिसर में देखने को मिल रही थी। शिकायतो को देखते हुये अस्पताल प्रबंधन द्वारा व्यवस्था को सुधारने के लिये तत्काल कार्यवाही की गयी है। 5 अक्टूबर 2023 को सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार साहु की अध्यक्षता मे ठेकेदार साईकल स्टैंड, ठेकेदार सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभारी पुलिस चौकी जिला चिकित्सालय दुर्ग की बैठक आयोजित की गयी बैठक मे सर्व संबंधितो को आपसी सामंजस्य के साथ अस्पताल परिसर मे निजी अस्पतालों की एम्बुलेंस के प्रवेश पर रोक लगाने के सख्त निर्देश दिये गये है। साथ ही तत्काल प्रभाव से अस्पताल परिसर मे जगह जगह खड़ी समस्त निजी एम्बुलेंस को परिसर से हटाने की कार्यवाही की गयी है, एवं प्रभारी - साईकल स्टैंड, पुलिस चौकी, सुरक्षा व्यवस्था जिला अस्पताल दुर्ग को प्रतिदिन इस कार्य को गंभीरता से संपादित किये जाने के निर्देश दिये गये। अस्पताल प्रबंधन द्वारा सर्व संबंधितो को दिये गये कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग भी की जायेगी। बैठक में रेसिडेंट मेडिकल आफिसर डॉ अखिलेश यादव, जिला अस्पताल जीवन दीप समिति के सदस्य दिलीप ठाकुर, दुष्यंत देवांगन एवं प्रशांत डोनगांवकर, अस्पताल सलाहकार डॉ सौरभ कोचर एवं लेखापाल जिला अस्पताल दुर्ग जीपी उपाध्याय उपस्थित थे।

छात्राओं ने दिया राष्ट्रीय एकता व देश भक्ति सहित स्वच्छता ही सेवा का जन समुदाय को संदेश

दुर्ग। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का संकुल स्तरीय आयोजन बी .आर.जे.शासकीय आदर्श कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय दुर्ग में दिनांक 30 सितंबर 2023 को संपन्न हुआ।अतिथि के रूप अरुण वोरा विधायक ,कार्यक्रम की अध्यक्षता में जिला शिक्षा अधिकारी ,वार्ड पार्षद श्रीमती नजहत परवीन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजघनश्याम जोशी,पुत्रवधू श्रीमती सुमन जोशी, श्रीमती ए चंद्राकर, भूतपूर्व सैनिक उपेंद्र कुमार यादव,रणजीत सिंह श्री, विनय कुमार चंद्राकर, किशोर कुमार वर्मा भारतीय नौसेना, अमित देवांगन,धर्मेंद्र कुमार राजपूत भारतीय थल सेना,संकुल समन्वयक असीम तिवारी, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के सदस्य ,पालक शिक्षक संघ की उपाध्यक्ष श्रीमती बृजेश्वरी यादव, समस्त संकुल अंतर्गत आने वाले शालाओं के एच. एम.एवं शिक्षक, छात्र-छात्राएं,शाला के प्राचार्य संकुल प्रभारी डॉक्टर श्रीमती कृष्णा अग्रवाल एवं समस्त स्टाफकी उपस्थिति
रही।कार्यक्रम की शुरुआत माननीय मुख्य अतिथि के कार्यक्रमों द्वारा सरस्वती मां की पूजन अर्चना एवं भारत माता छत्तीसगढ महतारी पर पुष्प हाल चढ़ा कर सभी ने नमन किया संस्था प्रमुख डॉक्टर कृष्णा अग्रवाल द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम के विषय के उद्देश्य से कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया शाला की छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत एवं आरिफखान द्वारा देशभक्ति का रोचक माहौल पूरे समय बनाया गया मुख्य अतिथि के उद्बोधन में उन्होंने छात्राओं को प्रत्येक कार्य को ईमानदारी के साथ राष्ट्रीय में करने की प्रेरणा दी अध्यक्षता कर रहे आदरणीय अभय जायसवाल जी द्वारा मेरी मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम की भागीदारी देश के सर्वहित में होगी ऐसी शुभकामना दी पार्षद महोदय ने इस अवसर पर छात्राओं को देश हित के लिए कार्य करने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की, भूतपूर्व सैनिकों ने अपने-अपने अनुभव छात्राओं से साझा किया।

किसान योजनाओं का लाभ उठाकर बनें आत्मनिर्भर- ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग।प्रदेश के गृह, लोक निर्माण एवं कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ग्राम थनौद हाई स्कूल प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय कृषक सम्मेलन में शामिल हुए। इस मौके पर मंत्री साहू ने विभागीय स्टॉल प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

कृषक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि कृषक सम्मेलन का उद्देश्य शासन की योजनाओं की जानकारी एवं उसका लाभ सभी किसानों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के अभाव में किसान शासकीय योजनाओं का लाभ नही उठा पाते। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लोगों की भलाई के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रदेश में सभी वर्गो के उत्थान के लिए योजनाएं बनाई गई है। किसानों, आदिवासियों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने का काम किया है। छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है जहां हमने किसानों से सबसे ज्यादा दाम पर धान खरीदी कर किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर काम हुए हैं। डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत नि:शुल्क इलाज किया जाता है। राज्य सरकार ने कर्जमाफी, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाया गया। कृषि विभाग द्वारा अनेक प्रकार की योजनाएं संचालित है जो कि किसानों के हित में बनाया गया है। उन्होंने शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की बाते कही। कृषि मंत्री श्री साहू ने किसानों को खेती के साथ ही साथ ऑयल पाम की खेती के बारे में बताया। छत्तीसगढ़ को खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने व कृषकों की आय में वृद्धि हेतु ऑयल पाम खेती करने की बात कही। ऑयल पाम खेती किसी भी प्रकार की भूमि जो पूर्णत: सिंचित हो पर किया जा सकता है। यह बहुवर्षीय फसल एक बार लगा दो तो कई सालों तक चलता है और उत्पादन भी अच्छा होता है।

इस अवसर पर मंत्री ताम्रध्वज साहू ने हितग्राहियों को पैक हॉउस एवं सामूहिक फेसिंग हेतु चेक का वितरण किया। हितग्राहियों को जाल, फिश माऊंट, आईस बॉक्स, लाईव फिश वेंडिंग, पॉवर वीडर, मसूर मिनिकीट, हेण्ड स्प्रेयर, ब्रश कटर एवं ट्रेक्टर का वितरण किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र देशमुख, उपाध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल केशव बंटी हरमुख, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजेन्द्र साहू, कृषि विभाग के संयुक्त संचालक आर.के.राठौर सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

निगम क्षेत्र का अब हर मकान होगा डिजिटल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । नागरिक सुविधा में एक कदम और आगे बढ़ते हुए निगम भिलाई ने क्षेत्र के एक लाख करदाता भवन को डिजिटल प्रणाली से जोड़ने के लिए डिजिटल डोर नम्बर लगाये जाने हेतु महापौर की मौजूदगी में आयुक्त ने कंपनी के साथ अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किये।

महापौर नीरज पाल की उपस्थिति में आयुक्त रोहित व्यास ने एच.डी.एफसी बैंक के साथ करार किया है, भिलाई निगम क्षेत्र के एक लाख करदाता मकानों को आनलाईन प्रणाली से जोड़ने मकान में डिजिटल डोर नम्बर पटटीका लगाया जाएगा। किये गये अनुबंध के संबंध में जानकारी देते हुए आयुक्त रोहित व्यास ने बताया कि निगम भिलाई क्षेत्र में आवासीय एवं व्यवसायिक भवनो में डिजिटल नम्बर प्लेट लगाया जाएगा। जिसके क्यू.आर. कोड में भवन के मालिक का संक्षिप्त विवरण के साथ निगम के देय करो की जानकारी तथा भुगतान की सुविधा होगी। नम्बर प्लेट के क्यू.आर. कोड को स्केन करके भवन के मालिक निगम में देय कर संपत्तिकर, जलकर, युजर्स चार्ज का भुगतान कर सकेगें। डिजिटल प्रणाली के करार में निगम क्षेत्र के एक लाख संपत्तिकर वाले मकानों में यह सुविधा प्रदान किया जाएगा। जिसके प्रथम चरण में 10 हजार मकानों में नम्बर प्लेट लगाया जायेगा। जिसकी शुरूवात निगम वार्ड 1 से किया जायेगा। निगम क्षेत्र के मकानो को डिजिटल डोर नम्बर हो जाने से नागरिक अपने मकान, दुकान अथवा भवन में लगे इस नम्बर प्लेट के क्यू.आर. कोड को स्केन कर निगम की देय करो की जानकारी तो प्राप्त करेगा।

भिलाई महिला समाज ने दीर्घ सेवा करने वाले कार्मिकों का सम्मान किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । अंचल और देश की प्रमुख समाजसेवी महिला संगठनों में से एक, इस्पात नगरी भिलाई की सशक्त महिला संगठन, भिलाई महिला समाज द्वारा 5 अक्टूबर, 2023 को दीर्घ सेवा सम्मान समारोह का आयोजन, अपने सेक्टर-4 कार्यालय, भिलाई में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में, भिलाई महिला समाज के ऐसे सदस्यों को सम्मानित किया गया, जो लगातार 25 वर्ष या उससे अधिक वर्षों से भिलाई महिला समाज में अपनी सेवा दे रहे हैं।

इस समारोह में भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष त्रिपर्णा दासगुप्ता, उपाध्यक्ष नीरजा कुमारी सिंह, अतिरिक्त उपाध्यक्ष प्रणोती मुखोपाध्याय, अतिरिक्त उपाध्यक्षमीरा पंडा, अतिरिक्त उपाध्यक्ष नुपुर स्वरुप एवं अतिरिक्त उपाध्यक्ष स्मिता गिरी विशेष रूप से उपस्थित थे। महासचिव श्रीमती साधना गोयल, सहसचिव श्रीमती सोनाली रथ, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन एवं सह-कोषाध्यक्ष श्रीमती दीपन्विता पाल के सक्रिय सहयोग से यह

कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त, भिलाई महिला समाज की विभिन्न उत्पादक इकाइयों की प्रभारी एवं सदस्यगण भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। ज्ञात हो कि यह आयोजन भिलाई महिला समाज के अब तक के इतिहास में पहली बार हुआ है। इस समारोह में, दीर्घ सेवा सम्मान के लिए सम्मानित सभी कर्मचारियों ने, भिलाई महिला समाज के अपने-अपने अनुभव साझा किये। इसके लिए 10 लोगों को चयनित किया गया था और इन्हें उपहार के साथ प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी के चेहरे पर एक उल्लास भरी मुस्कान थी, भिलाई महिला समाज के इस पहल से सभी उत्साहित थे।

विधायक देवेंद्र की 251 किलोमीटर की प्रगति यात्रा पूरी, सेक्टर 10 में किया गया समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर के युवा विधायक देवेंद्र यादव चुनाव जीतने के बाद से लगातार जनता के बीच में है। लोगों के संपर्क में रहते हैं। इसी कड़ी में 19 अगस्त से विधायक देवेंद्र यादव ने पूरे शहर में प्रगति यात्रा की शुरूआत की थी। 251 किलोमीटर की प्रगति यात्रा आज सेक्टर 10 में समापन हुआ।

प्रगति यात्रा के शुरूआती दिनों से लेकर आज अंतिम दिन तक विधायक यादव ने प्रत्येक वार्डवासियों के घर-घर पहुंचे। एक-एक परिवार से मिले। उनका हालाचाल जाना और उनकी समस्याओं का समाधान किया। इस दौरान करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात दी। लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया साथ ही लाखों के निर्माण कार्यों का लोकार्पण कर जनता को समर्पित भी किया गया। आज प्रगति यात्रा के अंतिम दिन में भी विधायक यादव ने सेक्टर 10 में शहर के विभिन्न समाज को लाखों की सौगात दी।

गौरतलब है कि चुनाव जीतने के बाद विधायक देवेंद्र यादव ने भिलाई संकल्प यात्रा निकाली। फिर आमजन के साथ वार्ड के बैठकर चाय पर चर्चा की। इसके बाद कोरोना काल आया। तब भी विधायक देवेंद्र यादव लोगों से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे और ऑनलाइन संवाद किए। लोगों की मदद की। इसके बाद हर वार्ड के हर गली मोहल्ले में चौपाल लगाकर भेंट मुलाकात किया गया। तब विधायक देवेंद्र यादव खुद हर घर तक पहुंचे और लोगों से मिले। इसके बाद 19 अगस्त से अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रगति यात्रा शुरू की। हर वार्ड के हर गली मोहल्ले से होकर यह प्रगति यात्रा चली।

विधायक देवेंद्र यादव पैदल पूरे वार्डों का भ्रमण किए। बरसते बारिश में भीगते हुए यात्रा की। इस यात्रा की शुरूआत सेक्टर 9 से की गई थी। जो पूरे टाउनशिप के वार्डों से होते हुए खुर्सीपार छावनी के अंतिम वार्ड के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुंच कर समाप्त हुई। इस यात्रा में विधायक श्री यादव कुल 251 किलोमीटर पैदल चले और लोगों से भेंट मुलाकात किए। साथ ही वार्डों में विकास कार्य का भूमिपूजन और लोकार्पण किया।

विधायक यादव ने दी क्रिकेट प्रेमियों को एक और सौगात, प्रैक्टीस के लिए बनकर तैयार हुआ क्रिकेट बॉक्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार शहर में कई विकास कार्य करवा रहे हैं। मूलभूत जरूरी सुविधाएं सड़क,नाली, पानी, गार्डन के अलावा शिक्षा और खेल को बढ़ावा देने के लिए भी लाखों रुपए के विकास कार्य करवाएं हैं। क्रिकेट स्टेडियम, फुटबॉल ग्राउंड, वॉलीबॉल ग्राउंड बना रहे हैं। इसी कड़ी में भिलाई के क्रिकेट प्रेमियों और भावी खिलाड़ियों को विधायक श्री यादव ने आज बड़ी सौगात दी।

सेक्टर 10 में एक्सट्रोटर्फयुक्त क्रिकेट बॉक्स बनवाया गया है। जिसका आज विधायक ने

लोकार्पण किया और खेल प्रेमियों को इसे सौंपा। यहां भावी खिलाड़ी अपने खेल का नेट प्रैक्टिस कर सकते हैं। जहां विधायक श्री यादव ने लोकार्पण करने के साथ खुद भी अपने खेल प्रतिभा की प्रैक्टिस किए और बल्ला घुमाकर दो तीन बॉल पर चौका-छक्का आजमाए। ?इस दौरान विधायक श्री यादव ने कहा कि बहुत ही सुंदर और सर्व सुविधा युक्त खेल मैदान बना है। ?यहां खेलने आने वाले खिलाड़ियों को निश्चित ही इसका लाभ मिलेगा। भिलाई एजुकेशन हब केसाथ ही स्पोर्टस हब भी है। यहां के खिलाड़ी देश दुनिया में अपनी खेल प्रतिभा से भिलाई और प्रदेश का नाम रौशन कर चुके हैं। उन्ही की उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ ही इसका लोकार्पण किया गया है।

45 लाख से बन कर तैयार

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से 45 लाख रुपए की लागत से सेक्टर 10 वार्ड 65 सड़क 4 और 5 के बीच में शांति बेकरी के सामने बनाया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। लगभग आधे से ज्यादा काम हो भी गया है और बचा हुआ काम इस माह के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। यह एक मिनी स्टेडि?यम की तरह ही होगा। जहां स्ट्रोटर्फ होगा, चारो ओर नेट लगा होगा। यह क्रिकेट खिलाड़ी के प्रैक्टिस करने का प्रमुख जगह होगा।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने प्रथम छः माह में उत्पादन के बनाये अनेक कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के विभिन्न विभागों ने बेहतरीन तालमेल और समन्वय का प्रदर्शन करते हुए अप्रैल से सितम्बर 2023 छः माह के दौरान उत्पादन के अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। संयंत्र के लगभग सभी विभागों ने अपने-अपने क्षेत्र में उत्पादन में उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हुए सर्वश्रेष्ठ छःमाही और सर्वश्रेष्ठ सितम्बर 2023 का रिकॉर्ड दर्ज किया है। इसके साथ ही संयंत्र के कुछ विभागों ने अपने ही रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ते हुए, उत्पादन और प्रेषण के क्षेत्र में नयी उपलब्धि हासिल की है।

हॉट मेटल : भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने तीनों प्रमुख उत्पादों हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील के उत्पादन में वित्त वर्ष 2023-24 की प्रथम छमाही में शानदार उत्पादन दर्ज किया है। इन तीनों उत्पादों में अब तक की सर्वश्रेष्ठ छमाही दर्ज की है और अपने पुराने कीर्तिमान को पीछे छोड़ दिया है। संयंत्र ने 29,82,956 टन हॉट मेटल का उत्पादन करते हुए वर्ष 2010-11 में दर्ज 28,18,248 टन के कीर्तिमान को पीछे छोड़ दिया है। इसके साथ ही संयंत्र ने सितम्बर 2023 में कुल 4,86,233 टन हॉट मेटल उत्पादन दर्ज किया, जोकि सितम्बर, 2008 में बनाये गए 4,73,907 टन के रिकॉर्ड को पार कर गया है।

क्रूड स्टील : क्रूड स्टील के उत्पादन में संयंत्र ने 28,15,239 टन का आंकड़ा दर्ज किया है, जो वर्ष 2010-11 में उत्पादित 23,23,164 टन से कहीं अधिक है। इसके साथ ही सितम्बर 2023 में कुल 4,62,745 टन क्रूड स्टील का उत्पादन करते हुए सितम्बर 2008 में बनाये गए 4,42,744 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

विक्रेय योग्य इस्पात : संयंत्र ने विक्रेय योग्य इस्पात जिसे सेलेबल स्टील के रूप में भी पहचाना जाता है प्रथम छमाही अप्रैल से सितम्बर 2023 में 25,76,038 टन का उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज किया है, जो विगत वर्ष 2013-14 में दर्ज 22,76,286 टन से अधिक है। विक्रेय योग्य इस्पात के क्षेत्र में संयंत्र ने सितम्बर 2023 में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। सेलेबल स्टील में कुल 4,38,097 टन उत्पादन कर सितम्बर, 2021 में बनाये गए 4,06,667 टन के रिकॉर्ड को पार किया है।

फिनिश्ड स्टील : फिनिश्ड स्टील के क्षेत्र में भी संयंत्र का प्रथम छमाही उल्लेखनीय रहा। इस दौरान 23,13,803 टन का उत्पादन दर्ज किया, जिसने वर्ष 2022-23 में दर्ज किये गए 20,52,103 टन को सफलतापूर्वक पार किया। सितम्बर 2023 में कुल 4,15,718 टन फिनिष्ड स्टील उत्पादन कर, सितम्बर 2021 में दर्ज 3,35,897 टन के रिकॉर्ड को पार कर गया है।

प्रेषण : संयंत्र ने उत्पाद की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शत प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि को अपना लक्ष्य रखा है। ग्राहक की मांग के अनुरूप अपने प्रक्रिया एवं कार्यविधि में सदैव ही नई पहल का समावेश किया है, जिससे ग्राहकों को बेहतर एवं गुणात्मक उत्पाद प्राप्त होता रहे। इससे संयंत्र में उत्पादित विभिन्न उत्पादों का प्रेषण/निर्गमन के क्षेत्र में भी सर्वश्रेष्ठ छमाही और सितम्बर 2023 दर्ज की गई है। लॉन्ग रेल की लोडिंग 4,83,695 रही जो वर्ष 2022-23 के 4,02,873 टन से अधिक है। हाइटेंसाइल प्लेटों के निर्गमन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022-23 के 1,30,507 टन के रिकॉर्ड को पार करते हुए वर्ष 2023-24 के प्रथम छमाही में 1,66,271 टन दर्ज किया गया। इसी तरह डायरेक्ट डिस्पैच के लिए लोडिंग 14,48,911 टन रही जो वर्ष 2021-22 के 12,04,754 टन से अधिक है। विक्रेय योग्य इस्पात में भी संयंत्र ने 25,56,741 टन का रिकॉर्ड दर्ज किया है।

यूनिवर्सल रेल मिल : भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल की ऊर्जावान टीम ने वित्त वर्ष 2023 में उत्पादन के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इस वित्तीय वर्ष की प्रथम छमाही में फिनिश्ड रेल का उत्पादन 4,41,684 टन किया जो वर्ष 2022-23 में उत्पादित 3,84,349 टन से अधिक है। इसके साथ ही प्राइम रेल तथा लांग रेल के उत्पादन में नया रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। इस दौरान 4,17,272 टन प्राइम रेल तथा 4,00,446 टन लॉन्ग रेल का उत्पादन किया गया।

7 को ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट आम जनों के लिए रहेगा नि:शुल्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विगत दिनों ठगड़ा बांध सुंदरीकरण का वर्चुअल लोकार्पण किया था। चार अक्टूबर से आम जनता के लिए ठगड़ा बांध को ओपन कर दिया गया है। बता दे कि सात अक्टूबर को शाम छह बजे से भव्य स्वागत आम जनता सह परिवार के साथ यहां निशुल्क प्रवेश कर बांध के सौंदर्यीकरण का आनंद उठा सकते हैं।

शहर वासियों को विधायक अरुण वोरा के प्रयासों से माधव वाटिका (ठगड़ा बांध) के रूप में एक नए पिकनिक स्पॉट की सौगात मिली है। जिसमे 16 करोड़ से अधिक खर्च कर मरीन ड्राइव की तर्ज पर इसे आकर्षक रूप दिया गया है। विधायक अरुण वोरा की पहल पर महापौर धीरज बाकलीवाल ने आम जनता से अपील कर कहा कि सात अक्टूबर को शाम 6 बजे आम नागरिको के लिए निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया लोग यहाँ निशुल्क

प्रवेश कर बांध के सौंदर्यीकरण का आनंद उठा सकते है। आकर्षक लाइटिंग के बीच बांध के बीचों-बीच आइलैंड तैयार किया गया है। दुर्ग- भिलाई के क्षेत्र वासियों को पिकनिक स्पॉट की सौगात मिली है। बांध से होकर गुजरे ओवर ब्रिज के नीचे के हिस्से पर चौपाटी बनाई गई है जहां बच्चों के मनोरंजन के लिए कई आकर्षिक खेल की व्यवस्था भी बनाई गई है। वोटिंग की सुविधा, बांध के बीचो-बीच जल्द ही रेस्टोरेंट भी प्रारंभ किया जाएगा। बांध शहरवासियों के लिए घूमने के आकर्षण का केंद्र रहेगा। नगर निगम प्रशासन द्वारा बांध के दो हिस्सों में बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया है । ठगड़ा बांध के एक हिस्से को पर्यटन स्थल का रूप में विकसित किया जा रहा है जहां चौपाटी बनाई गई 16 दुकान लगी है चौपाटी के ऊपर खाने-पीने के लिए बैठने की व्यवस्था भी की गई है। चौपाटी के सामने खाली जगह पर बच्चों के मनोरंजन के लिए तरह-तरह के गेम जोन बनाया गया है इसे ध्यान में रखते हुए इस पिकनिक स्पॉट का बेहतर लुक दिया गया है जिससे 150 वर्ष पुराने बांध की सुबसूरती में गजब का निखार आया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950